

भारत के राजपत्र के असाधारण भाग-1 खंड-1 में प्रकाशित किया जाना है

फा.सं. 7/09/2025-डीजीटीआर
भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
व्यापार उपचार महानिदेशालय
चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग,
5, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

दिनांक: 11.03. 2026

अंतिम जांच परिणाम

अधिसूचना

मामला सं.-एडी((एसएसआर)-05/2025

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फेसड ग्लास वूल के आयात के संबंध में पाटनरोधी शुल्क जांच की निर्णायक समीक्षा।

समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम,1975 (जिसे आगे "अधिनियम" कहा गया है) और उसकी समय समय पर यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे आगे "पाटनरोधी नियमावली,1995" अथवा "पाटनरोधी नियमावली" अथवा "नियमावली" भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों के संबंध में मूल पाटनरोधी जांच निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच शुरुआत अधिसूचना संख्या 6/23/2019 डीजीटीआर द्वारा 24.9.2019 को शुरु की गई थी। विस्तृत जांच के अनुसरण में, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपनी अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना संख्या 6/23/2019 -डीजीटीआर दिनांक 22.12.2020 के माध्यम से संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयात पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। निर्दिष्ट प्राधिकारी की सिफारिशों को पांच साल की अवधि के लिए अधिसूचना संख्या 14/ 2021 - सीमा शुल्क (एडीडी)

दिनांक 18.3.2021 के माध्यम से लागू किया गया था। वर्तमान पाटनरोधी शुल्क 17.3.2026 तक वैध है।

2. जबकि मैसर्स यू.पी. ट्विगा फाइबरग्लास लिमिटेड (जिसे इसके बाद "आवेदक" भी कहा गया है) ने चीन जन.गण. (जिसे इसके बाद "संबद्ध देश" कहा गया है) से "फेसड ग्लास वूल इन रोल्स" (जिसे इसके बाद "संबद्ध सामान" या "विचाराधीन उत्पाद" या "पीयूसी" भी कहा गया है) के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा के लिए समय-समय पर यथासंशोधित अधिनियम और नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद "प्राधिकारी" कहा गया है) के समक्ष आवेदन-पत्र दायर किया है।
3. आवेदक ने आरोप लगाया कि संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों का पाटन जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना तथा परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है, और उन्होंने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा तथा उसे बढ़ाए जाने के लिए अनुरोध किया है।
4. अधिनियम की धारा 9क (5) के अनुसार, लगाए गए पाटनरोधी शुल्क, जब तक कि पहले रद्द नहीं किया जाता है, इस प्रकार लगाए जाने की तारीख से पांच वर्ष की समाप्ति पर प्रभावी होना बंद हो जाएगा और प्राधिकारी को यह समीक्षा करने की आवश्यकता है कि क्या शुल्क की समाप्ति से पाटन और क्षति जारी रहने या बार-बार होने की संभावना है। उपरोक्त के अनुसार, प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से किए गए विधिवत प्रमाणित अनुरोध के आधार पर यह समीक्षा करने की आवश्यकता है कि क्या शुल्क की समाप्ति से पाटन और क्षति जारी रहने या बार-बार होने की संभावना है।
5. प्राधिकारी ने प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर अधिसूचना सं.7/09/2025- डीजीटीआर दिनांक 16 जून 2025 के माध्यम से निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की ताकि यह जांच की जा सके कि क्या चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के आयात पर उक्त शुल्कों की समाप्ति से घरेलू उद्योग ने पाटन और क्षति के जारी रहने या बार-बार होने की संभावना है।

6. वर्तमान समीक्षा के क्षेत्र में संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित उपर्युक्त उपरोक्त सामानों के आयातों के संबंध दिनांक 22.12.2020 के अंतिम जांच परिणाम फा.सं. 6/23/2019 के सभी पहलू शामिल हैं।

ख. प्रक्रिया

7. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:

7.1 जांच की शुरुआत

- क) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार, जांच शुरू करने से पहले, भारत में संबद्ध देश के दूतावास को पाटनरोधी आवेदन-पत्र की प्राप्ति के बारे में सूचित किया।
- ख) प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए, भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना दिनांक 16.06.2025 जारी की।
- ग) प्राधिकारी ने भारत में अपने दूतावास के माध्यम से संबद्ध देश की सरकार, संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं, घरेलू उद्योग, अन्य भारतीय उत्पादकों तथा आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार अन्य हितबद्ध पक्षकारों को जांच शुरुआत की अधिसूचना की प्रति भेजी और उनसे अनुरोध किया कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने ज्ञात विचार दें।

7.2 आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर का परिचालन

- क) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार, ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और भारत में उनके दूतावास के माध्यम से संबद्ध देश की सरकारों को आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति उपलब्ध कराई। आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति अनुरोध किए जाने अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई थी।

7.3 उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रतिभागिता

- क) भारत में संबद्ध देश के दूतावास से अनुरोध किया गया था कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।
- ख) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी:
- i. ओवेन्स कॉर्निंग (चीन) निवेश कंपनी
 - ii. ओवेन्स कॉर्निंग, चीन
 - iii. बीयांग बिल्डिंग मटेरियल कं, लिमिटेड,
 - iv. चीन इकिंग इंडस्ट्रियल ग्रुप कं, लिमिटेड।
 - v. हेबेई यूनाइटेड एनर्जी टेक कंपनी, लिमिटेड।
 - vi. हुआमेई एनर्जी सेविंग टेक्नोलॉजी कं.
 - vii. यूनाइटेड इंसुलेशन लिमिटेड
 - viii. जीउजियांग फेंगजिरुन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड।
 - ix. लेंगफेंग डॉगक्सिन शेज़ो व्यापार कंपनी, लिमिटेड।
 - x. इकोफॉक्स ग्लास वूल इंसुलेशन कंपनी लिमिटेड
- ग) अधिसूचना के उत्तर में, चीन से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर कर उत्तर दिया:
- i. मैसर्स ओवेन्स कॉर्निंग ग्वांगझू फाइबरग्लास कं. लि, चीन जन.गण.
 - ii. मैसर्स ओवेन्स कॉर्निंग (चीन) इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.

7.4 आयातकों/प्रयोक्ताओं द्वारा प्रतिभागिता

- क) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को पाटनरोधी जांच शुरू करने वाली सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित में अपने विचार व्यक्त करने की सलाह दी:
- i. मैसर्स ट्रेक्विल
 - ii. मैसर्स बीएम इंसुलेशन प्राइवेट लिमिटेड
 - iii. मैसर्स ग्रीन इको इंजीनियर्स

- iv. मैसर्स ओवेन्स कॉर्निंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- v. मैसर्स सिप्ला सॉल्यूशंस
- vi. मैसर्स आर्के इंडस्ट्रीज
- vii. मैसर्स ऑल आर्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- viii. मैसर्स एवन रिफ्रैक्टरीज प्राइवेट लिमिटेड
- ix. मैसर्स रेवो इंटरनेशनल
- x. मैसर्स सन एंटरप्राइजेज
- xi. मैसर्स ओबेराय कंस्ट्रक्शन्स लि
- xii. मैसर्स इन्क्लाइन रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड
- xiii. मैसर्स जयसवाल एजेंसियां

ख) उपरोक्त के उत्तर में, निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ता/ प्रयोक्ता संघों ने उपरोक्त मामले में अपने अनुरोध/ अभ्यावेदन दायर किए हैं।

- i. मैसर्स ओवेन्स कॉर्निंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- ii. नॉफ सीलिंग सॉल्यूशंस (इंडिया) प्रा. लि

7.5 जांच की अवधि और क्षति अवधि

क) वर्तमान जांच के उद्देश्य से जांच की अवधि (पीओआई) 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 (12 माह) तक है। तथापि, क्षति जांच अवधि पिछले तीन वर्षों, यानी 2021-22, 2022-23, 2023-24 और जांच की अवधि के आंकड़े शामिल हैं।

7.6 अन्य

क) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया। सभी हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डीजीटीआर वेबसाइट पर अपलोड की गई थी और सभी से अनुरोध किया गया था कि वे सभी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोधों का अगोपनीय रूपांतर ईमेल करें।

ख) क्षति अवधि और जांच की अवधि के लिए संबद्ध सामानों के आयात का लेनदेन-वार विवरण प्रदान करने के लिए डीजीसीआईएंडएस से आंकड़े उपलब्ध कराने

का अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी ने आयात की मात्रा की गणना और लेनदेन की उचित जांच के बाद आवश्यक विश्लेषण के लिए डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर भरोसा किया है।

- ग) नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 29.10.2025 को आयोजित मौखिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। निर्दिष्ट प्राधिकारी के परिवर्तन के कारण 25.11.2025 को एक और मौखिक सुनवाई आयोजित की गई थी। दोनों मौखिक सुनवाई में हितबद्ध पक्षकारों ने भाग लिया था। मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत करने वाले सभी पक्षकारों से लिखित अनुरोध दायर करने का अनुरोध किया गया था। लिखित अनुरोधों के अगोपनीय रूपांतर को हितबद्ध पक्षकारों को परिचालित किया गया था, और उन्हें प्रत्युत्तर अनुरोध, यदि कोई हैं, प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया था।
- घ) सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध सामानों की उत्पादन लागत और निर्माण तथा बिक्री लागत को के आधार पर क्षतिरहित कीमत निर्धारित की गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- ड.) संबंधित मंत्रालय को ईमेल भेजकर सनसेट रिव्यू जांच के लिए दायर आवेदन के बारे में सूचित किया गया और इस मामले में उनकी राय मांगी गई।
- च) इस जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर, साक्ष्यों के साथ समर्थित और वर्तमान जांच के लिए संगत मानी गई सीमा तक, प्राधिकारी द्वारा इस प्रकटन विवरण में उचित रूप से विचार किया गया है।
- छ) प्राधिकरण ने केंद्र सरकार को अंतिम सिफारिशें देने हेतु विचाराधीन सभी आवश्यक तथ्यों से युक्त प्रकटीकरण विवरण 28.02.2026 को सभी संबंधित पक्षों को वितरित किया। प्राधिकरण ने इन अंतिम निष्कर्षों में संबंधित पक्षों

द्वारा प्रकटीकरण के बाद प्राप्त सभी प्रासंगिक टिप्पणियों की जांच की है। कोई भी ऐसा विवरण जो पिछले विवरण की मात्र प्रतिलिपि था और जिसकी प्राधिकरण द्वारा पर्याप्त रूप से जांच की जा चुकी है, उसे संक्षिप्तता के लिए दोहराया नहीं गया है।

- ज) प्राधिकरण ने जांच के दौरान, संबंधित पक्षों द्वारा दी गई जानकारी की सटीकता के बारे में यथासंभव संतुष्टि प्राप्त की, जो इस अंतिम निष्कर्ष का आधार है, और घरेलू उद्योग और संबंधित पक्षों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों को प्रासंगिक, व्यावहारिक और आवश्यक समझे जाने की सीमा तक सत्यापित किया।
- झ) गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को स्वीकार कर लिया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।
- ञ) जहां कहीं भी किसी हितधारक ने वर्तमान जांच के दौरान सूचना देने से इनकार किया है या अन्यथा आवश्यक सूचना प्रदान नहीं की है, या जांच में अत्यधिक बाधा उत्पन्न की है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विचार/टिप्पणियां दर्ज की हैं।
- ट) केन्द्र सरकार से अनुरोध किया गया था कि पाटनरोधी शुल्क लागू किए जाने की स्थिति शुल्क की समाप्ति की तारीख से तीन माह आगे की अवधि के लिए बढ़ाई जाए। केन्द्र सरकार ने तदनुसार 17 जून, 2026 तक शुल्क बढ़ाए जाने की अनुमति प्रदान की।
- ठ) संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 यूएसडॉ. = 84.58 रुपये है। (स्रोत: घरेलू उद्योग की याचिका)

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

8. वर्तमान जांच के उद्देश्य से जांच शुरुआत अधिसूचना में परिभाषित किए गए अनुसार विचाराधीन उत्पाद "रोल्स में फेस ग्लास वूल" है जिसे फाइबरग्लास वूल (इंसुलेशन सामग्री) या रेजिन बॉन्डेड ग्लास वूल भी कहा जाता है। इस उत्पाद का उपयोग धातु और कंक्रीट भवन के निर्माण, इमारतों को शीतलन सेवाएं प्रदान करने के लिए हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम, ध्वनिक अनुप्रयोग, जहाज निर्माण, रेलवे और ऑटोमोबाइल सहित परिवहन उद्योग में प्रमुख रूप से किया जाता है। इस उत्पाद में गैर-दहनशील और अग्नि सुरक्षित गुणों के अलावा बेहतर थर्मल और ध्वनिक प्रदर्शन की अंतर्निहित ताकत है। इस उत्पाद का उपयोग करके इमारतें उच्च ऊर्जा दक्षता प्राप्त करती हैं और विभिन्न उद्देश्यों के लिए इस उत्पाद के अनुप्रयोग बढ़ रहे हैं।

ग.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

9. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र और समान वस्तु के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क) प्रतिभागी निर्यातक ने उस विचाराधीन उत्पाद को स्पष्ट रूप से बाहर करने का अनुरोध किया है जो रोल्स में आयात नहीं किया जाता है, जैसा कि मूल जांच में तथा बाद में पीयूसी/पीसीएन नोटिस में अधिसूचित किया गया था।
- ख) ग्लास वूल बेस बोर्ड - साउंडस्केप्स शेप्स बेस बोर्ड और ग्लास वूल एकोस्टिकल सीलिंग टाइल्स या फ्लैट/टैबुलर फॉर्म में फेस्ड ग्लास वूल को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए। शुल्क के किसी भी संभावित दुरुपयोग को रोकने और सभी संबंधित हितधारकों पक्षकारों के लिए प्रवर्तन में स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए अंतिम जांच परिणामों में शुल्क तालिका के नीचे इन्हें बाहर रखने का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए।
- ग) घरेलू उद्योग ने माने गए कई एचएस कोडों के तहत संबद्ध सामानों की पहचान का आधार प्रदान नहीं किया है। क्षति की अवधि के दौरान एचएस कोड वर्गीकरण में संशोधन के मद्देनजर यह भी संगत है।

ग.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

10. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क) वर्तमान जांच के उद्देश्य से विचाराधीन उत्पाद "रोल में फेस ग्लास वूल" है जिसे फाइबरग्लास वूल (इंसुलेशन सामग्री) या रेजिन बॉन्डेड ग्लास वूल भी कहा जाता है। घरेलू उद्योग स्पष्ट करता है कि वर्तमान जांच का क्षेत्र रोल में आयातित फेस ग्लास वूल तक ही सीमित है और टाइल/बोर्ड के रूप में आयातित ग्लास वूल को वर्तमान जांच के उत्पाद क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है।
- ख) ग्लास वूल में कंबल और स्लैब/बोर्ड बनाने के लिए बाइंडर के साथ संयुक्त महीन कांच के फाइबर होते हैं। इस प्रक्रिया में एक फाइबराइजिंग मशीन के माध्यम से कांच को गुजरना और घूमने वाले स्पिनरों की अपकेन्द्री क्रिया द्वारा स्पिनरों से नियंत्रित तरीके से फाइबर निकालना शामिल है, बांधक को एक साथ स्प्रे किया जाता है और फिर रोल, कंबल आदि बनाने के लिए क्युरिंग ओवन के माध्यम से आगे बढ़ाया जाता है।
- ग) ग्लास वूल में आम कांच बनाने वाली कच्ची सामग्री का उपयोग होता है, जिसमें आमतौर पर सिलिका रेत, सोडा राख (सोडियम कार्बोनेट), फेल्डस्पार, डोलोमाइट, चूना पत्थर और बोरेक्स पेंटाहाइड्रेट शामिल होते हैं। अन्य सामग्रियों में रिसाइकिल ग्लास कलेट और खरीदे गए शीट ग्लास का कलेट शामिल हैं। कच्चे माल को बैच मिक्सिंग प्रक्रिया में मिलाया जाता है, फिर इसे एक विद्युत भट्टी/गैस भट्टी में एक साथ डाला जाता है जहां इसे लगभग 1500 डिग्री सेल्सियस तक गर्म किया जाता है। धारा को भट्टी से निकाला जाता है और एक कंडीशनिंग में डाला जाता है जिसे फोरहर्थ कहा जाता है जहां कांच को एक तापमान पर लाया जाता है जहां इसे फाइबर बनाया जा सकता है।
- घ) उत्पाद का उपयोग धातु और कंक्रीट भवन के निर्माण, इमारतों को शीतलन सेवाएं प्रदान करने के लिए हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम, ध्वनिक अनुप्रयोग, जहाज निर्माण, रेलवे और ऑटोमोबाइल सहित परिवहन उद्योग में प्रमुख उपयोग पाता है। उत्पाद में गैर-दहनशील और अग्नि सुरक्षित

गुणों के अलावा बेहतर थर्मल और ध्वनिक प्रदर्शन की अंतर्निहित शक्ति है। इमारतें इस उत्पाद का उपयोग करके उच्च ऊर्जा दक्षता प्राप्त करती हैं। विभिन्न उद्देश्यों के लिए इस उत्पाद का अनुप्रयोग बढ़ता रहा है।

- ड.) वर्तमान आवेदन-पत्र निर्णायक समीक्षा जांच के उद्देश्य से है, अतः विचाराधीन उत्पाद मूल में अधिसूचित किए गए अनुसार ही रहता है।
- च) संबद्ध उत्पाद अध्याय शीर्ष 70 "कांच और कांच के सामान" के तहत वर्गीकृत है। संबद्ध सामानों का आयात सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 के विभिन्न उप-शीर्ष जैसे 7019 9010, 7019 9090, 7019 1900, 7019 3900, 7019 5900 आदि के तहत किया जा रहा है। किसी भी मामले में, यह प्राधिकारी द्वारा अपनाया गया एक सुसंगत दृष्टिकोण है कि सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक प्रयोजनों के लिए है और सामानों का विवरण शुल्क लगाने और संग्रहण के लिए रहेगा।
- छ) घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वे पीसीएन के लिए उसी पद्धति का पालन करे जो मूल जांच में अपनाई गई थी। उन्होंने मूल जांच में उपयोग की गई पद्धति के आधार पर पीसीएन का भी प्रस्ताव दिया है।
- ज) घरेलू उद्योग ने स्पष्ट किया है कि ग्लास वूल एकोस्टिकल सीलिंग टाइल्स विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा नहीं है। बोर्ड के संबंध में मांगे गए स्पष्टीकरण के संबंध में घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) की परिभाषा स्पष्ट है, जिसमें केवल रोल फॉर्म में उत्पादों को शामिल किया गया है। कोई भी उत्पाद जो रोलड रूप में आयात किया जाता है और पीयूसी के विवरण के अनुरूप होता है, स्पष्ट रूप से इस जांच के क्षेत्र में आता है।
- झ) घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया है कि चूंकि यह एक निर्णायक समीक्षा है, अतः इसका उद्देश्य मूल जांच दर्शाना है, और इसीलिए, किसी और स्पष्टीकरण या विस्तार की आवश्यकता नहीं है। यह भी अनुरोध किया गया है कि हितबद्ध पक्षकारों ने पीयूसी के वर्तमान फॉर्मलेशन से उत्पन्न होने वाली किसी भी व्यावहारिक कठिनाई अथवा पूर्वाग्रह नहीं दर्शाया है।

- ज) घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित पीसीएन को अधिसूचित करे और उसे अपनाए ताकि चल रही जांच में एक संरचित और उचित तुलना सुनिश्चित की जा सके।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

11. जांच शुरुआत अधिसूचना के अनुसार वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "रोल में फेस ग्लास वूल" है, जिसे फाइबरग्लास वूल (इंसुलेशन सामग्री) या रेज़िन बॉन्डेड ग्लास वूल भी कहा जाता है। संबद्ध उत्पादों को सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के कई एचएस कोड जैसे 7019 9010, 7019 9090, 7019 1900, 7019 3900, 7019 5900 आदि के तहत अध्याय 70 "कांच और कांच के सामान" के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।
12. जांच शुरुआत अधिसूचना में, हितबद्ध पक्षकारों को 15 दिनों की अवधि के भीतर विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) के क्षेत्र और उत्पाद नियंत्रण संख्या (पीसीएन) पद्धति के क्षेत्र पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया था। हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध प्राप्त होने पर समय सीमा को 11 जुलाई, 2025 तक बढ़ा दिया गया था। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर प्रतिक्रियाओं/टिप्पणियों को देखने के बाद और विचाराधीन उत्पाद में अधिक स्पष्टता लाने के लिए, 25.07.2025 की अधिसूचना द्वारा अधिसूचित किया गया था कि वर्तमान जांच के उद्देश्य से विचाराधीन को निम्नानुसार संशोधित किया गया है:

"रोल्स में फेस ग्लास वूल" जिसे फाइबरग्लास वूल (इंसुलेशन सामग्री) या रेज़िन बॉन्डेड ग्लास वूल के रूप में भी जाना जाता है, और इसमें "फ्लैट/टेबुलर रूप में फेस ग्लास वूल" जैसे टाइल, शीट या बोर्ड और ग्लास वूल ध्वनिक सीलिंग टाइल शामिल नहीं हैं।

13. समान वस्तु के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में निम्नलिखित प्रावधान है:

"समान वस्तु" का अर्थ उस वस्तु से है जो भारत में पाटित की जा रही जांचाधीन वस्तु की सभी तरह से समान हैं या ऐसी वस्तु के अभाव में,

दूसरी वस्तु जो सभी तरह से यद्यपि समान नहीं है, में जांचाधीन वस्तुओं से बारीकी से मिलती हुई विशेषताएं हैं।

14. वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच होने के कारण, विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) मूल अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में परिभाषित किए गए अनुसार ही है।
15. पीसीएन पद्धति के संबंध में, घरेलू उद्योग ने प्रस्ताव दिया कि पीसीएन पद्धति को मूल जांच के अनुसार लिया जाना चाहिए। हितधारक पक्षकारों को जांच शुरुआत की सूचना के पैरा 12 के माध्यम से सलाह दी गई थी कि वे जांच की शुरुआत की सूचना प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर प्रस्तावित पीसीएन पद्धति पर अपनी टिप्पणियां/सुझाव दें। यह नोट किया जाता है कि पीसीएन पद्धति के संबंध में कोई तर्क हितबद्ध पक्षकारों द्वारा नहीं उठाए गए थे और इसीलिए प्राधिकारी ने मूल जांच में अपनाई गई पीसीएन पद्धति पर ही विचार करने का निर्णय लिया। जांच में अपनाई गई पीसीएन पद्धति निम्नलिखितानुसार है :

फेसिंग का प्रकार	पीसीएन में तदनुसूची संख्या
एएलजी	01
बीजीसी	02
बीजीटी	03
डीएसएफएसके	04
एफजीटी	05
एफएसके	06
एमपीएफ	07
आर303 एचडी	08
डब्ल्यूएमपी-50	09

फेसिंग का प्रकार	पीसीएन में तदनुरूपी संख्या
डब्ल्यूएमपी वीआर-	10
डब्ल्यूएमपी-वीआर आर प्लस	11
कोई अन्य	12
कोई नहीं (केवल दूसरी फेसिंग के मामले में)	00

उदाहरण के लिए, 12 किलोग्राम/मीटर 3 घनत्व वाले ग्लास वूल के लिए पीसीएन, 100 मिमी की मोटाई और एफएसके की पहली फेसिंग जिसमें दूसरी फेसिंग नहीं है, 12-100-06-00 होगी।

घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

घ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

16. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है:

घ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

17. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- क) यह आवेदन-पत्र मैसर्स यूपी ट्विगा फाइबरग्लास लिमिटेड द्वारा संबद्ध देश से संबद्ध सामानों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना जारी रखने के लिए दायर किया गया है। आवेदक भारत में संबद्ध सामानों का एकमात्र उत्पादक है और इसलिए नियमावली की परिधि के अन्तर्गत घरेलू उद्योग बनने के लिए स्पष्ट आधार है।
- ख) आवेदकों ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध सामानों का आयात नहीं किया है। आवेदक संबद्ध देश में विचाराधीन उत्पाद के किसी निर्यातक अथवा आयातक

से संबद्ध (प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से) नहीं है। इस प्रकार, आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तहत पात्र घरेलू उद्योग है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

18. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

“(ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबद्ध होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” शब्द का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

19. वर्तमान मामले में आवेदन-पत्र मेसर्स यूपी ट्विगा फाइबरग्लास लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है, जो घरेलू बाजार में संबद्ध सामानों का एकमात्र उत्पादक है। आवेदक का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन में 100% है।

20. आवेदक ने यह भी प्रमाणित किया है कि वे न तो निर्यातकों या आयातकों से संबद्ध हैं और न ही उन्होंने संबद्ध देश से संबद्ध सामानों का आयात किया है। तदनुसार, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालने का प्रस्ताव करते हैं कि आवेदक नियम 5(3) की अपेक्षा को पूरा करता है और नियम 2(ख) के अभिप्राय से घरेलू उद्योग है।

ड. गोपनीयता

ड.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

21. गोपनीयता के संबंध में वर्तमान जांच के दौरान अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विभिन्न अनुरोध निम्नलिखित हैं:

i. आवेदकों ने उनके द्वारा दायर की गई सूचना के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।

- ii. घरेलू उद्योग ने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत को गोपनीय बताने के लिए सहायक साक्ष्य का दावा किया है, जिसे हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों के लिए प्रदान किया जाना चाहिए।
- iii. घरेलू उद्योग ने ओवेन्स कॉर्निंग द्वारा दावा की गई गोपनीयता के संबंध में अत्यंत विलंबित अनुरोध किए हैं। जांच शुरुआत अधिसूचना के पैरा 38, फा. सं.7/09/2025, दिनांक 16 जून 2025 में यह प्रावधान है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार को अनुरोधों के अगोपनीय रूपांतर के परिचालन की तारीख से 7 दिनों के भीतर अन्य पक्षकारों द्वारा दावा की गई गोपनीयता पर अपनी टिप्पणियां पेश करनी चाहिए। वर्तमान मामले में, ओवेन्स कॉर्निंग ने 26 अगस्त 2025 को अपने अनुरोध परिचालित किए थे। तब से एक माह से अधिक का समय बीत गया है और घरेलू उद्योग द्वारा ओवेन्स कॉर्निंग द्वारा दावा की गई अत्यधिक गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा कोई अनुरोध नहीं किए गए हैं। अतः इस स्तर पर किए गए दावे अत्यधिक देरी से हैं और उन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

ड.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

22. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. चीन के उत्तरदाता उत्पादक/निर्यातक प्राधिकारी द्वारा जारी विभिन्न व्यापार सूचनाओं के तहत दिए गए दिशा-निर्देशों के साथ पठित नियम 7 के प्रावधानों का अनुपालन करने में विफल रहे।
- ii. निर्यातक द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर के अगोपनीय रूपांतर में उचित कारण दिए बिना गोपनीय रूपांतर में निहित सभी सूचनाएं नहीं हैं। निर्यातक के लिए यह अनिवार्य था कि वे उन कारणों का उचित विवरण दें कि गोपनीयता का दावा क्यों किया गया है और कुछ सूचना के लिए सार संभव क्यों नहीं था।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

23. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों को विभिन्न पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया। सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान हैं:

“(1) नियम 6 के उप नियम (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम(2), नियम 15 के उपनियम(4) और नियम 17 के उपनियम(4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है। (3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।“

24. गोपनीय आधार पर सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने, जहां आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। इन अनुरोधों के संबंध में कि अन्य हितबद्ध पक्षकार अपने उत्तरों में कुछ सूचना का प्रकटन करने में विफल रहे हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने उनके द्वारा दावा की गई गोपनीयता को सही ठहराया है। इसके अतिरिक्त, ऐसी सूचना का प्रकटन न होने के कारण घरेलू उद्योग के हित को कोई पूर्वाग्रह नहीं हुआ है।

च. विविध अनुरोध

च.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

25. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं।
- i. क्षति और संभावना के लिए प्रस्तुत सूचना और साक्ष्य की जांच उसकी पर्याप्तता और सटीकता के लिए की जानी चाहिए। ओवेन्स कॉर्निंग का मानना है कि वर्तमान मामले में आवेदक, यूपी ट्विगा फाइबर ग्लास लिमिटेड, अपने तर्कों के समर्थन में प्राधिकारी को विश्वसनीय सूचना प्रदान करने में विफल रहा है।
 - ii. 1 जनवरी 2022 से प्रभावी एचएस कोडों को संशोधित किया गया है। घरेलू उद्योग ने उस आधार को स्पष्ट नहीं किया है जिस पर विचाराधीन उत्पाद के आयात की पहचान की गई है।
 - iii. आवेदक ने चीन से विभिन्न देशों को निर्यात की रिपोर्टिंग के लिए उपयोग किए गए एचएस कोड का खुलासा नहीं किया है जिसका उपयोग संभावना के परिकलन के लिए किया गया है। एचएस कोड के अभाव में और आवेदक द्वारा इसकी संगत, उपयुक्तता और पर्याप्तता के संबंध में किसी भी अनुरोध के अभाव में, यह माना जाना चाहिए कि घरेलू उद्योग ने तीसरे देशों के निर्यात के आधार पर संभावना सिद्ध करने वाले कोई वास्तविक सकारात्मक साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराए हैं।

च.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

26. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- i. क्षति और संभावना विश्लेषण के लिए प्रस्तुत साक्ष्यों की विश्वसनीयता के बारे में विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए दावे पूरी तरह से अप्रमाणित हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने अपने दावों का समर्थन करने के लिए कोई सहायक साक्ष्य या ठोस सामग्री प्रदान किए बिना केवल व्यापक और अस्पष्ट आरोप लगाए हैं।
 - ii. आवेदक की जिम्मेदारी लागू नियमावली के अनुसार जांच शुरू करने को उचित ठहराने के लिए प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत करने तक सीमित है। इसके बाद, प्रतिभागी निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों पर विस्तृत सूचना

प्रस्तुत करने का दायित्व है, जिसमें निर्धारित प्रश्नावली के भाग-II के उत्तर शामिल हैं, ताकि एक व्यापक सत्यापन और विश्लेषण किया जा सके।

- iii. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों/सूचना में कोई विशिष्ट वास्तविक विसंगति अथवा असंगति की पहचान नहीं की है या नहीं दर्शाई है। अतः, उठाई गई आपत्तियों का कोई औचित्य नहीं है और पूरी तरह से खारिज किए जाने योग्य हैं।
- iv. आयात की पहचान के लिए उपयोग किए जाने वाले एचएस कोड की कथित अशुद्धता के संबंध में चीनी निर्यातकों का अनुरोध इस गलत धारणा पर आधारित है कि संगत एचएस कोड 1 जनवरी 2022 से बदल दिए गए थे। इस संबंध में, यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदन-पत्र, साथ ही जांच शुरुआत अधिसूचना में यह स्पष्ट उल्लेख है कि “संबद्ध सामान सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के विभिन्न उप-शीर्षों जैसे 70198000, 70199000, 70199010, 70199090, 70191900, 70193900, 70195900 आदि के तहत आयात किए जा रहे हैं।” यह नोट किया जाए है कि आवेदन-पत्र और जांच शुरुआत अधिसूचना में पहचाने गए छह एचएस कोड में से तीन, 70198000, 70199000 और 70199010, 1 जनवरी 2022 को सीमा प्रशुल्क के संशोधन के बाद भी अपरिवर्तित रहे।
- v. शेष तीन कोडों के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि एचएस कोड 70195900 को एचएस कोड 70199000 के अंतर्गत समाहित कर लिया गया था, जो उन कोडों में से एक है जो बिना किसी परिवर्तन के जारी रहा। यह भी नोट करने में व्यावहारिक है कि वर्तमान जांच में क्षति की जांच की अवधि 2021-22 से शुरू होती है, जिससे 1 जनवरी 2022 से पहले की अवधि भी शामिल हो जाती है। तदनुसार, क्षति और संभावना विश्लेषण के उद्देश्य से विश्वास किए गए आयात आंकड़ों में एचएस कोड के तहत किए गए आयात शामिल हैं क्योंकि वे सीमा प्रशुल्क में उक्त संशोधन से पहले मौजूद थे।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

27. घरेलू उद्योग द्वारा पाटनरोधी शुल्क जारी रखने के लिए अपने आवेदन-पत्र में प्रस्तुत की गई सूचना के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के अनुसार, आवेदक को क्षति, यदि कोई हो, या अन्यथा क्षति की संभावना सिद्ध करने के लिए प्रथम दृष्टया

साक्ष्य प्रदान करना आवश्यक है। प्राधिकारी द्वारा लिया गया अंतिम निर्णय आवेदक द्वारा प्रदान की गई सत्यापित सूचना या अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना पर आधारित है।

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रतिभागी निर्यातक ने चीन में उत्पादकों की क्षमता भी प्रदान नहीं की है।
29. एचएस कोड के तर्क के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान प्रकटन विवरण में निहित आयात से संबद्ध सूचना डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों में परिलक्षित वास्तविक आयात पर आधारित है। इसके अतिरिक्त, चीन से तीसरे देश में निर्यात के संदर्भ में, यह नोट किया जाता है कि चूंकि विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किसी एक एचएस कोड तक सीमित नहीं है, इसलिए घरेलू उद्योग ने चार अंकों के एचएस कोड अर्थात 7019 में उपलब्ध सर्वोत्तम संभव आंकड़े प्रदान किए हैं।
30. घरेलू उद्योग के इस तर्क के संबंध में कि प्रतिभागी निर्यातक ने अपने संबद्ध पक्षकारों के बारे में पूरी सूचना नहीं दी है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रतिभागी निर्यातक अर्थात ओवेन्स कॉर्निंग ने दावा किया है कि उसने भारत को संबद्ध सामानों के निर्यात के लिए मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनने वाली सभी कंपनियों की सूचना दी है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने किसी भी पुष्टिकरण साक्ष्य द्वारा आरोप को प्रमाणित नहीं किया है, इसलिए प्राधिकारी इस आरोप का कोई औचित्य नहीं पाते।

छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

छ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

31. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण के संदर्भ में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं।
- i. घरेलू उद्योग के लिए पाटन मार्जिन का दावा उत्पादन की बढ़ी हुई लागत पर आधारित है। इसलिए, इस आधार पर निर्धारित कोई भी सामान्य मूल्य अत्यधिक

उच्च पाटन मार्जिन दिखाने की संभावना है। ऐसे पाटन मार्जिन पर भरोसा करना अत्यधिक अनुचित होगा।

- ii. ओवेन्स कॉर्निंग प्राधिकारी से उचित सामान्य मूल्य निर्धारित करने के बाद पाटन मार्जिन निर्धारित करने का अनुरोध करता है।
- iii. यह अनुरोध है कि भारत को संबद्ध सामानों के निर्यात के लिए मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनाने वाली ओवेन्स कॉर्निंग कंपनियों ने जांच में पूरी तरह से भाग लिया और सहयोग किया है और उन्हें उचित रूप से उपलब्ध सभी सूचना प्रस्तुत की हैं।
- iv. प्रतिभागी निर्यातक द्वारा यह भी अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग ने कोई दायर उत्तरों में विशिष्ट कमियां नहीं बताई थीं और इसीलिए, असहयोग या प्रतिकूल अनुमान का दावा अनावश्यक है।

छ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

32. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण के संदर्भ में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार, चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश माना जाना चाहिए जब तक कि संबद्ध फर्म/उत्पादक/निर्यातक पैरा 8(3) में उल्लिखित मानदंडों के आधार पर उक्त अनुमान का खंडन करने में सक्षम न हों। यह प्राधिकारी द्वारा पिछले मामलों में और अन्य देशों के जांच अधिकारियों द्वारा लिए गए रुख के अनुरूप भी है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए चीनी उत्पादकों की लागत और कीमत पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। घरेलू उद्योग का सादर अनुरोध है कि चीन जन.गण. को निम्नलिखित कारणों से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में माना जाना चाहिए:
- ii. किसी भी चीनी उत्पादक/निर्यातक ने एमईटी का दावा नहीं किया है और एमईटी के लिए अपेक्षित प्रश्नावली नहीं भरी है। बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति तब तक नहीं दी जा सकती जब तक कि उत्तर देने वाले चीनी निर्यातक यह सिद्ध न कर लें कि प्रमुख इनपुट की कीमतें काफी हद तक बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं।

- iii. ऐसी स्थितियों में बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए जहां चीनी निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ हैं कि उनकी बहियां अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों (आईएएस) के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुपालन पर जोर देने की आवश्यकता वार्षिक रिपोर्ट में व्यक्त राजस्व और व्यय, परिसंपत्तियों और देनदारियों की सटीकता और पर्याप्तता सुनिश्चित करना है।
- iv. यह सिद्ध करना प्राधिकारी का काम नहीं है कि उत्तरदाता कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था के वातावरण में काम कर रही हैं और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए हकदार हैं। लेकिन यह उत्तरदाता चीनी निर्यातकों को सिद्ध करना है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के तहत काम कर रहे हैं।
- v. बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति तब तक नहीं दी जा सकती जब तक कि उत्तरदाता कंपनी और उसके समूह समग्र रूप से दावा न करें। यदि समूह का हिस्सा बनाने वाली एक या अधिक कंपनियों ने प्रतिक्रिया दायर नहीं की है, तो बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।
- vi. यह अनुरोध किया गया है कि उपरोक्त तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए परंतुक 8(2) के बिना पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार ही निर्धारित किया जा सकता है।
- vii. इस प्रकार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण (क) तीसरे देश से भारत में आयात कीमत, (ख) भारत में बिक्री कीमत और (ग) उत्पादन लागत के आधार पर किया जा सकता है, जिसमें बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय और लाभ शामिल हैं। यह भी अनुरोध किया जाता है कि चूंकि सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए ये विकल्प उपलब्ध हैं, अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया "किसी अन्य आधार" पर विचार न करें क्योंकि यह केवल तभी लागू किया जाना चाहिए जब कानून के तहत सूचीबद्ध आधार लागू नहीं किया जा सकता है।
- viii. अनुबंध-1 के पैरा 8(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ता है। तथापि, पैरा 8(3) के प्रावधान के तहत चीनी फर्मों द्वारा इसका खंडन किया जा सकता है।
- ix. यह एक ज्ञात तथ्य है कि चीन की अर्थव्यवस्था सरकारी बलों द्वारा नियंत्रित है और देश की अर्थव्यवस्था में राज्य सरकारी मशीनरी का काफी हस्तक्षेप और नियंत्रण है। डब्ल्यूटीओ चीन के अभिगम के तहत बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा

देना स्वचालित नहीं है, बल्कि अभिगम नयाचार में उल्लिखित पूर्व शर्तों के अनुपालन पर निर्भर है।

- x. घरेलू उद्योग ने संबद्ध देश के लिए निर्यात कीमत की गणना के लिए गौण स्रोतों से प्राप्त आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। इसके अतिरिक्त, निर्यात कीमत में दावा किए गए समायोजन से संबद्ध आंकड़े, अर्थात्, समुद्री माल भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय माल भाड़ा व्यय, बंदरगाह व्यय और बैंक शुल्क, कारखानागत निर्यात कीमत निकालने के लिए समर्थित दस्तावेजों से पूर्णतः युक्त हैं और उनका उपयुक्त रूप से प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को किया गया है।
- xi. उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर बेहद कमीपूर्ण हैं और नवीनतम व्यापार सूचना के अनुसार दायर नहीं किए गए हैं।
- xii. घरेलू उद्योग का यह अनुरोध है कि उन्होंने अपनी बहियों के अनुसार लागत का दावा किया है जो पूरी तरह उनकी लेखा बहियों के अनुसार हैं। अतः, किसी भी उच्च लागत का दावा करने की आशंका गलत है। किसी भी मामले में, प्राधिकारी ने लागत को विधिवत सत्यापित किया है और अंतिम जांच परिणामों के उद्देश्य से केवल सत्यापित लागत पर विचार किया जाएगा।
- xiii. घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया है कि चीनी निर्यातक ने चीन में संबद्ध सामानों के उत्पादन और बिक्री में शामिल अपने तीन संबद्ध पक्षकारों के लिए कोई उत्तर दाखिल नहीं किया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि चीनी निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का भाग-एच दायर नहीं किया है, जिसमें अनिवार्य रूप से तीसरे देशों को निर्यात से संबद्ध सूचना मांगी जाती है।
- xiv. घरेलू उद्योग ने यह उल्लेख किया है कि चीनी उत्पादक/निर्यातक को तब तक कोई समायोजन की अनुमति नहीं दी जा सकती जब तक घरेलू उद्योग को ऐसे उत्पादक/निर्यातक द्वारा दावा किए गए समायोजन का विवरण प्रदान नहीं किया जाता है और घरेलू उद्योग को सुनवाई के माध्यम से उक्त समायोजन का विरोध करने का अवसर नहीं दिया जाता है।
- xv. घरेलू उद्योग का यह अनुरोध है कि एकमात्र भाग लेने वाले निर्यातक ने संबद्ध उत्पादकों और भाग ॥ निर्णायक -समीक्षा-विशिष्ट प्रकटनों के विवरण सहित महत्वपूर्ण सूचना को रोक दिया। इस तरह का असहयोग उनकी विश्वसनीयता

को कमजोर करता है और डीजीटीआर को सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर भरोसा करने की आवश्यकता को पुष्ट करता है।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

छ.3.1 सामान्य मूल्य निर्यात कीमत का निर्धारण

1. चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य

33. डब्ल्यूटीओ में चीन अभिगम नयाचार के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान है:

“जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद -VI और पाटनरोधी करार के तहत कीमत तुलनात्मकता का निर्धारण करने में, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे अथवा उस पद्धति का उपयोग करेंगे, जो निम्नलिखित नियमावली के आधार पर घरेलू कीमतों या चीन में लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने पर आधारित नहीं है:

गैट 1994 के अनुच्छेद VI और पाटनरोधी करार के तहत मूल्य तुलनीयता का निर्धारण करने में, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य जांच के तहत उद्योग के लिए या तो चीनी कीमतों या लागतों का उपयोग करेगा या एक ऐसी पद्धति जो निम्नलिखित नियमावली के आधार पर चीन में घरेलू कीमतों या लागतों के साथ सख्त तुलना पर आधारित नहीं है:

(i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।

(ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।

(ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको

मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।

(ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा) क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।

(घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ क (ii) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"

34. घरेलू उद्योग ने चीन के अभिगम नयाचार के अनुच्छेद 15(क)(i) का हवाला दिया है और उस पर भरोसा किया है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि चीन जन.गण.में उत्पादकों को यह दर्शाने करने के लिए कहा जाना चाहिए कि उनके उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति उनके विचारधीन उत्पाद के निर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करती है। यह अनुरोध किया जाता है कि यदि उत्तरदाता चीनी उत्पादक यह दर्शाने में सक्षम नहीं हैं कि उनकी लागत और कीमत सूचना बाजार संचालित है, तो सामान्य मूल्य की गणना नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के प्रावधानों के संदर्भ में की जानी चाहिए।
35. यह नोट किया जाता है कि डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अभिगम नयाचार के अनुच्छेद 15(क)(ii) में निहित प्रावधान यद्यपि 11.12.2016 को समाप्त हो गए हैं, तथापि अभिगम नयाचार के 15(क)(i) के तहत दायित्व के साथ पठित डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधान में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा करने संबंधी पूरक प्रश्नावली में दिए जाने के लिए सूचना/आंकड़ों के माध्यम

से संतुष्ट होने हेतु पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में निर्धारित मानदंड की अपेक्षा होती है। यह नोट किया जाता है कि चूंकि चीन जन.गण. के उत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों ने पूरक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, अतः सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना अपेक्षित है।

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रतिभागी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान मामले में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। तदनुसार, नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है, जो इस प्रकार है:

“ 7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबद्ध पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक तर्कसंगत समयावधि प्रदान की जाएगी।”

37. जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, पैरा 7 गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए एक पदानुक्रम निर्धारित करता है और यह प्रावधान करता है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण किसी तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत या निर्मित मूल्य के आधार पर या ऐसे तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों को कीमत पर किया जाएगा या जहां यह संभव नहीं है, किसी अन्य उचित आधार पर, जिसमें भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तव में भुगतान की गई या देय कीमत, उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए आवश्यक रूप से समायोजित किया गया है।

38. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संबद्ध सामानों की कीमतों पर सूचना एकत्र करने में सक्षम नहीं थे। इसके अतिरिक्त, विचाराधीन उत्पाद का कोई समर्पित वर्गीकरण नहीं है, इसलिए तीसरे देश को निर्यात करने का विकल्प भी उपलब्ध नहीं है। हितबद्ध पक्षकारों ने उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के बारे में भी कोई सूचना नहीं दी है। अतः, भारत सहित किसी भी अन्य देश के लिए ऐसे तीसरे देश से मूल्य के आधार पर चीन जन.गण. का सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है। तदनुसार, प्राधिकारी आवेदक के उत्पादन की लागत को ध्यान में रखते हुए, बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों और उचित लाभों के लिए समायोजित करते हुए, पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निर्धारित भारत में देय कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने का प्रस्ताव करते हैं।
39. इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दिया गया है।

2. चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत

मेसर्स ओवेन्स कॉर्निंग गुआंगझू फाइबरग्लास कंपनी लिमिटेड के लिए निर्यात कीमत

40. मेसर्स ओवेन्स कॉर्निंग गुआंगझू फाइबरग्लास कंपनी लिमिटेड उत्पादक है और मेसर्स ओवेन्स कॉर्निंग चाइना इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. में उत्पादक का संबद्ध व्यापारी है। जांच अवधि के दौरान, मेसर्स ओवेन्स कॉर्निंग गुआंगझू फाइबरग्लास कंपनी लिमिटेड ने संबद्ध व्यापारी ओवेन्स कॉर्निंग चाइना इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड के माध्यम से भारत में संबद्ध आयातक ओवेन्स कॉर्निंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को विचाराधीन उत्पाद का [***] एमटी अप्रत्यक्ष रूप से निर्यात किया है।

ओवेन्स कॉर्निंग गुआंगझू फाइबरग्लास कं, लिमिटेड → ओवेन्स कॉर्निंग चाइना इन्वेस्टमेंट कं, लिमिटेड → ओवेन्स कॉर्निंग इंडिया प्रा. लि

41. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत निर्यात विवरणों को आवश्यक सीमा तक सत्यापित किया गया है और पाटन मार्जिन की गणना के प्रयोजन के लिए कारखानागत निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए उन पर विचार किया गया है। निर्यातक ने समुद्री माल भाड़ा, समुद्री बीमा, क्रेडिट लागत, पैकिंग लागत के कारण समायोजन का दावा किया है और डेस्क सत्यापन के बाद इसे स्वीकार कर लिया गया है। बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय और आयातक की हानि को भी निवल निर्यात कीमत में समायोजित किया जाता है।
42. प्राधिकारी ने उत्पादक द्वारा उत्पादित सामान के निर्यात के लिए पीसीएन-वार निर्यात कीमत की गणना की है और संबंधित पीसीएन के सभी निर्यातों को ध्यान में रखते हुए

भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित किया गया था। इस प्रकार, निर्धारित निवल निर्यात कीमत का उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

चीन जन.गण. में अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

43. चीन जन.गण. के अन्य सभी असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित की गई है और इसका उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

च.3.2 पाटन मार्जिन

44. उपर्युक्त रूप से निर्मित सामान्य मूल्य और निर्धारित निर्यात कीमत को ध्यान में रखते हुए, संबद्ध देश के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:

पाटन मार्जिन तालिका

क्र.सं.	उत्पादक का नाम	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
		(यूएसडॉ./ एमटी)	(यूएसडॉ./ एमटी)	(यूएसडॉ./ एमटी)	(%)	(रेंज)
चीन जन.गण.						
1.	मेसर्स ओवेन्स कॉर्निंग गुआंगज़ौ फाइबरग्लास कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***%	90-100
2.	चीन जन.गण. से कोई अन्य उत्पादक/ निर्यातक	***	***	***	***%	95-105

ज. क्षति और कारणात्मक संपर्क का मूल्यांकन

ज.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

45. वर्तमान जांच के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई क्षति से संबद्ध निम्नलिखित अनुरोध हैं और प्राधिकारी द्वारा उसे संगत माना गया है।

- i. यह अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा भरोसा किए गए कई क्षति मापदंड, जैसे बाजार हिस्सेदारी क्षति, उत्पादन में गिरावट और क्षमता उपयोग, जांच शुरुआत अधिसूचना में दर्ज नहीं किए गए थे।
- ii. आवेदन-पत्र में कोई साक्ष्य नहीं है कि घरेलू उद्योग को आयात के कारण कीमत दबाव का सामना करना पड़ा है। याचिका में पर्याप्त साक्ष्य हैं कि आयात के कारण घरेलू उद्योग को किसी भी कीमत दबाव का सामना नहीं करना पड़ा है। यदि चीन से आयात की मात्रा और आयात कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा और बिक्री कीमत से की जाए तो यह आसानी से सिद्ध हो जाता है।
- iii. यह भी अनुरोध किया जाता है कि चीनी आयात कीमतों और घरेलू कीमतों के बीच कोई सह-संबंध नहीं है, क्योंकि उच्च आयात और घटती आयात कीमतों की अवधि के दौरान भी घरेलू कीमतें और बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई, और जब आयात में गिरावट आई तो स्थिर रही।
- iv. यह भी आरोप लगाया गया है कि उत्पादन लागत संबंधी आंकड़े अविश्वसनीय हैं, क्योंकि कच्चे माल की लागत में गिरावट आई है जबकि बिक्री की लागत बढ़ गई है।
- v. यह भी अनुरोध किया गया है कि कोई भी कथित क्षति अन्य कारकों के कारण होती है, विशेष रूप से रॉक वूल से प्रतिस्पर्धा, जो एक कम कीमत वाला विकल्प है, जिसकी भारत में स्थापित क्षमता काफी अधिक है। यह भी अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग की मूल कंपनी ने रॉकवूल सुविधाएं अधिग्रही की थीं।
- vi. कीमत न्यूनीकरण और लाभप्रदता में गिरावट के दावों को खारिज कर दिया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसे दावे उत्पादन की बढ़ी हुई लागत पर आधारित हैं।
- vii. कच्चे माल की लागत उत्पादन की कुल लागत का 60-70% है। 2023-24 के दौरान और जांच की अवधि में, जबकि प्रमुख कच्चे माल की कीमत में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग के वेतन और मजदूरी में काफी वृद्धि नहीं हुई है, घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में वृद्धि हुई है। प्रस्तुत आंकड़े विश्वसनीय नहीं हैं।
- viii. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि कोविड-19 के प्रभाव के कारण आधार वर्ष विकृत है और इसे बाहर रखा जाना चाहिए। तथापि, आधार वर्ष को छोड़कर, चीन से आयात सहित कुल आयात में निरपेक्ष और सापेक्ष रूप से गिरावट आई है और पहुंच कीमत में वृद्धि हुई है। इस पर भी विचार किया जाए।
- ix. जबकि घरेलू उद्योग ने बाजार हिस्सेदारी में कमी और उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट के कारण हुई क्षति के संबंध में विस्तृत अनुरोध किए हैं, ऐसे मापदंडों को जांच शुरुआत अधिसूचना में दर्ज नहीं किया गया है।

- x. घरेलू उद्योग का निष्पादन रॉक वूल से प्रतिस्पर्धा के कारण प्रभावित हुआ है, जो ग्लास वूल का कम कीमत वाला, डोलोमाइट आधारित विकल्प है। इंसुलेशन सामग्री के रूप में रॉक वूल में ग्लास वूल के समान विशेषताएं हैं और यह उसी भारतीय मानक (आईएस 8183:199) के अनुरूप है।
- xi. इसके अतिरिक्त, भारत में रॉक वूल की क्षमता ग्लास वूल से दस गुना अधिक है। भारत में रॉक वूल की अधिक आपूर्ति है, जिसमें आगे की क्षमता वृद्धि भी जारी है। आवेदक की मूल कंपनी ने 2022-23 में रॉकवूल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस तरह के उत्पाद की मांग इसकी कम कीमत और ग्लास वूल के समान विशेषताओं के कारण बढ़ गई है।
- xii. घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति का कारण वैकल्पिक उत्पाद रॉक वूल की मांग में वृद्धि है। उक्त उत्पाद में भारत में अधिक क्षमता है और इसकी कीमत ग्लास वूल से कम है। रॉक वूल से प्रतिस्पर्धा ने घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाई है और इसको आयातों के कारण जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।
- xiii. घरेलू उद्योग के अनुरोधों के विपरीत, रॉक वूल का उपयोग रूफिंग साल्युशन और उपर्युक्त प्रयोजन के लिए रॉक वूल की वैश्विक रूप से पेशकश करने वाले रॉक वूल के विनिर्माण के लिए किया जा सकता है।
- xiv. चीन से आयात के कारण कोई क्षति नहीं है क्योंकि घरेलू कीमतों और चीनी कीमतों के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। जबकि चीन से आयात कीमत में 2022-23 में गिरावट आई और मात्रा में वृद्धि हुई, घरेलू बिक्री कीमतों के साथ-साथ बिक्री की मात्रा में भी वृद्धि हुई। जबकि इसके बाद आयात कीमत में गिरावट आई, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत बढ़ गई। जांच की अवधि में, जब आयात कीमत में वृद्धि हुई और आयात की मात्रा में गिरावट आई तो घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत स्थिर रही।
- xv. यह दावा कि आयात कीमत में हेरफेर किया गया है क्योंकि निर्यातकों को निर्णायक समीक्षा में जांच की अवधि के बारे में पता था और ऐसी कीमतों ने घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाई है, तर्कहीन है। अनुरोध केवल यह साबित करते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति अन्य कारकों के कारण है।
- xvi. घरेलू उद्योग ने विपरीत दावे किए हैं क्योंकि उसने पहली मौखिक सुनवाई में निरंतर क्षति का दावा किया था, लेकिन दूसरी सुनवाई में केवल क्षति के बार बार होने की संभावना का दावा किया था।
- xvii. मेक्सिको से ऑयल कंट्री ट्यूबलर गुड्स में अपीलीय निकाय की रिपोर्ट में पाया गया कि कारणात्मक संपर्क की जांच करने की कोई आवश्यकता नहीं है, इसका तात्पर्य है कि जांच की अवधि में कोई क्षति नहीं है। तथापि, यदि निर्णायक समीक्षा

में निरंतर क्षति का दावा किया गया है, तो पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क की जांच की जानी चाहिए।

- xviii. यदि प्राधिकारी को क्षति के बार बार होने की संभावना मिलती है तो कारणात्मक संपर्क की जांच की आवश्यकता नहीं होगी। तथापि, घरेलू उद्योग ने इसका कोई साक्ष्य नहीं दिया है।

ज.2 घरेलू उद्योग के विचार

46. वर्तमान जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा की गई क्षति संबंधी अनुरोध निम्नलिखित हैं और उन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया है:

- i. संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयात में वर्षों से वृद्धि देखी गई है। भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में आयात में भी वृद्धि देखी गई है।
- ii. मांग में संबद्ध देश की बाजार हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है जबकि घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आ रही है।
- iii. घरेलू उद्योग की कीमतें घरेलू बाजार में निर्यातकों द्वारा पेश की जा रही कीमतों के प्रभाव को दर्शाती हैं। रिकॉर्ड पर मौजूद आंकड़ों से यह भी स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग ने बिक्री प्राप्ति और लाभप्रदता में गिरावट का अनुभव किया है।
- iv. यह कि हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए गए पूर्ण क्षति आंकड़ों को अनदेखा करते हुए अलग-अलग मापदंडों को चुना है। यह भी अनुरोध किया जाता है कि जब अनुबंध-ii में उल्लिखित सभी आर्थिक संकेतकों जैसे बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग, लाभप्रदता और आरओसीई की समग्र रूप से जांच की जाती है और क्षति और संभावना की स्थिति दिखाई देती है, तो घरेलू उद्योग के दावे रिकॉर्ड पर मौजूद आंकड़ों द्वारा पूरी तरह से समर्थित हैं। इसके अतिरिक्त समग्र आयात अत्यधिक बना हुआ है और घरेलू उद्योग को बढ़ी हुई लागतों को वसूल करने से रोकने के लिए कीमत न्यूनीकरण प्रभाव डालता है। यह भी अनुरोध किया गया है कि सत्यापित आंकड़े स्पष्ट रूप से हितबद्ध पक्षकारों की आशंकाओं का खंडन करते हैं।
- v. घरेलू उद्योग का यह भी है कि उनके आर्थिक मापदंडों से पता चलता है कि लाभ में काफी गिरावट आई है, कीमत कटौती के कारण बिक्री की कीमतें बढ़ाने

- की क्षमता सीमित हो गई है, और मालसूची बढ़ रही है, जो सभी पाटित आयातों के कारण होने वाली वास्तविक क्षति को सिद्ध करती है।
- vi. जहां तक निर्यातक के इस अनुरोध का संबंध है कि जांच शुरुआत अधिसूचना में मात्रा प्रभाव का उल्लेख नहीं है और इसलिए प्राधिकारी ने मात्रात्मक क्षति के लिए जांच शुरू नहीं की है, घरेलू उद्योग द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि उक्त तर्क का पूरी का पूरी तरह से कोई औचित्य नहीं है। जांच शुरुआत अधिसूचना, व्यावहारिक तौर से, जांच की शुरुआत के स्तर पर माने जाने वाले प्रमुख क्षति मापदंडों को संक्षेप में पुनः प्रस्तुत करती है। अधिसूचना में कुछ क्षति मानकों को शामिल करना या छोड़ना ऐसे पहलुओं पर प्राधिकारी द्वारा किसी भी बाहर किए गए या पूर्व-निर्धारण को दर्शाने के रूप में नहीं माना जा सकता है। यह भी अनुरोध किया गया है कि आवेदक ने संबद्ध आयात से उत्पन्न मात्रात्मक क्षति का विधिवत दावा किया है, जैसा कि आवेदन-पत्र में निहित विस्तृत सूचना और रिकॉर्ड पर रखे गए आंकड़ों से स्पष्ट रूप से सिद्ध है।
- vii. घरेलू उद्योग की लागत संबंधी आरोप के संबंध में यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग द्वारा दायर लागत की सूचना पूरी तरह से लेखा परीक्षित बहियों द्वारा समर्थित है और डीजीटीआर द्वारा भी विधिवत सत्यापित है और इसीलिए, इसे निराधार और गलत के रूप में खारिज किया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया है कि प्रतिभागी निर्यातक समूह ने सत्यापन के परीक्षण के लिए इसे प्रस्तुत किए बिना घरेलू उद्योग की लागतों से अपनी स्वयं की खरीद कीमतों की तुलना की है, जिसे विधिवत सत्यापित किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि इस तरह की तुलना करते समय, हितबद्ध पक्षकार मात्रा, ग्रेड, इनकोटर्म्स, क्रेडिट शर्तों, आपूर्तिकर्ता आधार, रसद, मालसूची लागत और खपत मानदंडों जैसे महत्वपूर्ण कारकों को ध्यान में रखने में पूरी तरह विफल रहे। चूंकि हितबद्ध पक्षकारों ने केवल बयान दिए थे, इसलिए उनका विश्लेषण अविश्वसनीय है और इसे खारिज कर दिया जाना चाहिए।
- viii. इन अनुरोधों के संबंध में कि रॉक वूल के कारण क्षति हुई है, यह अनुरोध है कि तथ्यात्मक रूप से गलत और कानूनी रूप से अप्रासंगिक है। ग्लास वूल और स्टोन वूल/रॉक वूल अलग-अलग कच्चे माल, उत्पादन प्रक्रियाओं, घनत्व, तापीय

निष्पादन, यांत्रिक विशेषताओं, मशीनरी, अंतिम उपयोग अनुप्रयोगों और बाजार खंडों के साथ अलग-अलग उत्पाद हैं। प्रतिस्थापनीयता सीमांत और विनिर्देशन-संचालित हैं। किसी अन्य उत्पाद से हुई क्षति विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों से होने वाली क्षति को नकार नहीं सकती है। यह भी अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग रॉकवूल के व्यवसाय में नहीं है।

- ix. कारणात्मक संपर्क विश्लेषण से संबंधित अनुरोध के संबंध में, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि धारा 9क (5) और नियम 23 के तहत यह एक स्थापित स्थिति है कि निर्णायक समीक्षा एक दूरदर्शी अभ्यास है जिसके लिए केवल पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना का आकलन करने की आवश्यकता होती है। निर्णायक समीक्षा में कारणात्मक विश्लेषण अनिवार्य नहीं है। यह भी अनुरोध किया गया है कि जांच अधिकारियों को अनिवार्य रूप से शुल्क विस्तार या वृद्धि के मामले में निर्णायक समीक्षा जांच में संभावना के सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुंचना पड़ा था। यह आगे दर्शाता है कि संभावना विश्लेषण कानून के तहत अनिवार्य आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, तथ्य कि डीजीटीआर ने अतीत में क्षति की जांच अवधि के दौरान आयात के बिना, संभावना से संबद्ध निष्कर्ष निकाले, स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है कि निर्णायक समीक्षा जांच में विश्लेषण करने के लिए कारणात्मक संपर्क की आवश्यकता नहीं है।

ज.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

47. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में सभी हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और प्रति-तर्कों को नोट किया है। प्राधिकारी द्वारा किए गए क्षति विश्लेषण में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों को यहां नीचे हल किया गया है।
48. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि प्राधिकारी ने मात्रात्मक क्षति के संबंध में जांच शुरू नहीं की है, यह नोट किया जाता है कि जांच शुरुआत अधिसूचना में संक्षेप में केवल प्रथम दृष्टया जांच शुरुआत के स्तर पर विचार किए गए प्रमुख क्षति मापदंडों का उल्लेख है। घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदन-पत्र से यह नोट किया जाता है कि आवेदक ने विधिवत रूप से संबद्ध आयात से उत्पन्न मात्रात्मक क्षति का दावा किया है। तदनुसार, इन अनुरोधों में कोई औचित्य नहीं है।

49. जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि रॉक वूल विचाराधीन उत्पाद के बाजार को प्रतिस्थापित कर रहा है, यह नोट किया जाता है कि ग्लास वूल और स्टोन वूल/रॉक वूल अलग-अलग उत्पाद हैं और उन्हें अलग-अलग कच्चे माल की आवश्यकता होती है। यह भी नोट किया जाता है कि कुछ अनुप्रयोगों को छोड़कर प्रतिस्थापनीयता सीमित है। यह नोट किया जाता है कि हितबद्ध पक्षकार यह प्रमाणित करने में विफल रहे हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति रॉक वूल/स्टोन वूल के कारण हुई है।

ज.3.1 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

i. मांग का मूल्यांकन

50. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए, भारत में उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत को आवेदकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयात के योग के रूप में परिभाषित किया गया है। इस प्रकार का आकलन की गई मांग नीचे दी गई तालिका में दी गई है:

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
चीन से आयात	एमटी	716	1879	1962	1532
अन्य देशों से आयात	एमटी	57	83	40	342
कुल आयात	एमटी	773	1962	2002	1874
घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	90	90
कुल मांग/खपत	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	108	107

* डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार आयात, अन्य आंकड़े घरेलू उद्योग के आंकड़ों के अनुसार

51. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2022-23 में संबद्ध सामानों की मांग बढ़ी है और वर्ष 2023-24 और आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में अधिक बनी हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि वर्ष 2022-23 और 2023-24 में संबद्ध देश से आयात में काफी वृद्धि हुई है और जांच की अवधि में गिरावट दिखाई गई है। तथापि, संबद्ध आयात आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में दोगुना है। घरेलू उद्योग की बिक्री में वर्ष 2022-23 में वृद्धि देखी गई है लेकिन वर्ष 2023-24 में गिरावट आई है और फिर जांच की अवधि में लगभग स्थिर रही है।

ii. पूर्ण और सापेक्ष दृष्टि से आयात

52. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, यह विचार करना आवश्यक है कि क्या भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष या निरपेक्ष रूप से पाटित आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। क्षति की अवधि में आयात की मात्रा इस प्रकार थी:

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
संबद्ध आयात	एमटी	716	1,879	1,962	1,532
अन्य आयात	एमटी	57	83	40	342
कुल आयात	एमटी	773	1,962	2,002	1,874
निम्नलिखित के संबंध में संबद्ध आयात					
घरेलू उत्पादन	%	***%	***%	***%	***%
घरेलू उत्पादन	रेंज	5-15%	25-35%	30-40%	20-30%
खपत (कैप्टिव सहित)	%	***%	***%	***%	***%
खपत (कैप्टिव सहित)	रेंज	5-15%	15-25%	20-30%	15-25%
कुल आयात	%	***%	***%	***%	***%
कुल आयात	रेंज	90-100%	90-100%	95-105%	75-85%

* डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार आयात, अन्य आंकड़े घरेलू उद्योग के आंकड़ों के अनुसार

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- i. आधार वर्ष में संबद्ध देश से आयात 716 एमटी से बढ़कर जांच की अवधि में 1532 एमटी हो गया है। हालांकि, पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में संबद्ध देश से आयात में गिरावट देखी गई है। जांच की अवधि में संबद्ध आयात आधार वर्ष से दुगने हैं।
- ii. घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में संबद्ध देश से आयात आधार वर्ष में 11% से बढ़कर जांच की अवधि में 27% हो गया।
- iii. मांग के सापेक्ष संबद्ध देश से आयात भी आधार वर्ष में 10% से बढ़कर जांच की अवधि में 21% हो गया।

ज.3.2 कीमत प्रभाव

54. संबद्ध देशों से आयात के कीमत प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि क्या भारत में समान वस्तु की तुलना में कथित आयातों द्वारा काफी कीमत कटौती हुई है, या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को कम करने या कीमत वृद्धि को रोकने के लिए है, जो अन्यथा सामान्य क्रम में हुई होती। संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कीमत न्यूनीकरण और कीमत हास, यदि कोई है, के संदर्भ में की गई है।

क. कीमत कटौती

55. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती कर रहे हैं, प्राधिकारी ने आयात की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से की है जो नीचे दी गई है:

विवरण	यूओएम	पीओआई
निवल बिक्री वसूली	रु./एमटी	***
पहुंच कीमत	रु./एमटी	1,35,721
कीमत कटौती	रु./एमटी	***
कीमत कटौती	%	***%
कीमत कटौती	रेंज	20-30

* डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के अनुसार पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग आंकड़ों के अनुसार निवल बिक्री प्राप्ति

56. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम कीमत पर हैं। संबद्ध देश से कीमत कटौती सकारात्मक और काफी है।

ख. कीमत हास और न्यूनीकरण

57. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का हास कर रहे हैं या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमत काफी मात्रा तक हास करना है या कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा सामान्य क्रम में हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और निवल बिक्री वसूली में परिवर्तनों की जांच की है।

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
पहुंच मूल्य	रु./एमटी	1,40,593	1,38,152	1,23,996	1,35,721
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	88	97
निवल बिक्री वसूली	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	118	118
बिक्री लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	104	121

* डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों के अनुसार पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग के आंकड़ों के अनुसार बिक्री कीमत और बिक्री लागत

58. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से आयातों का पहुंच मूल्य वर्ष 2022-23 तक घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से अधिक था। तथापि, पिछले 2 वर्षों में, संबद्ध देश से आयात का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम हो गया है।
59. यह भी नोट किया जाता है कि हालांकि क्षति की अवधि के दौरान निवल बिक्री कीमत और बिक्री लागत में वृद्धि हुई, लेकिन बिक्री लागत में वृद्धि के अनुपात में निवल बिक्री प्राप्ति नहीं बढ़ी। इस प्रकार, घरेलू उद्योग उत्पादन लागत में वृद्धि के बावजूद अपनी बिक्री कीमत बढ़ाने में सक्षम नहीं था। यह भी नोट किया जाता है कि पहुंच मूल्य पूरी क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से रहता है।

ज.3.3 घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

60. नियमावली के अनुबंध-II में यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और तत्वों जिनका घरेलू उद्योग की हालत पर प्रभाव पड़ता हो, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; वे कारक जो घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा पर प्रभाव डालते हों; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव का वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। घरेलू उद्योग से संबद्ध विभिन्न क्षति मानदंडों पर यहां नीचे चर्चा की गई है। प्राधिकारी ने

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अपने अनुरोधों में दिए गए विभिन्न तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति मानदंडों की वस्तुपरक रूप से जांच की है। तदनुसार, क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच की गई है।

i. उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री

61. क्षति की अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार था:

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
संस्थापित क्षमता	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन (विचाराधीन उत्पाद)	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	92	91
क्षमता उपयोग	%	***%	***%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	106	98
घरेलू बिक्री	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	90	90
निर्यात बिक्री	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	154	168	175
कैप्टिव खपत	एमटी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

* घरेलू उद्योग के आंकड़ों के अनुसार आंकड़े

62. यह नोट किया जाता है कि क्षति की अवधि में उत्पादन और बिक्री दोनों में गिरावट आई है। यह भी नोट किया जाता है कि क्षति की अवधि में क्षमता उपयोग में मामूली कमी आई है। प्राधिकारी घरेलू उद्योग के इस अनुरोध को भी नोट करते हैं कि वे साथ साथ जांच की अवधि के दौरान मिस्र के मूल के आयातों से काफी प्रतिस्पर्धी दबाव का सामना कर रहे हैं, जिसके लिए एक अलग जांच पहले से ही चल रही है।

ii. मांग में बाजार हिस्सा

63. आयात, घरेलू बिक्री और घरेलू उद्योग की बाजार हिस्से का विवरण निम्नानुसार है:

विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	पीओआई
घरेलू उद्योग	%	***%	***%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	83	84
संबद्ध देश	%	***%	***%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	212	253	200
अन्य देश	%	***%	***%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	66	564

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति की जांच अवधि के दौरान जांच की अवधि में गिरावट के साथ संबद्ध देश की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई। तथापि, यह आधार वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी बनी हुई है।

65. पूरी क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आई है और जांच की अवधि में मामूली वृद्धि हुई है। यह आधार वर्ष की तुलना में काफी कम है।

66. क्षति की अवधि में अन्य देशों की बाजार हिस्सेदारी में काफी वृद्धि हुई है।

iii. मालसूची

67. संबद्ध सामानों की मालसूची से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं।

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
औसत मालसूची	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	259	340

* घरेलू उद्योग के आंकड़ों के अनुसार मालसूची

68. उपर्युक्त से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की मालसूची में काफी वृद्धि हुई है।

iv. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

69. प्राधिकारी ने रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता से संबंधित मालसूची की जांच की है, जो नीचे दी गई है:

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	120	116
प्रति दिन उत्पादकता	एमटी/दिन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	94	94
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमटी/सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	86	84
वेतन एवं मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	75	99

* घरेलू उद्योग के आंकड़ों के अनुसार आंकड़े

70. यह नोट किया जाता है कि क्षति की अवधि में कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है और जांच की अवधि में थोड़ी गिरावट आई है। 2023-24 में उन्हें प्रदत्त मजदूरी में गिरावट आई उसके बाद जांच की अवधि में वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग ने इन मापदंडों के कारण क्षति का दावा नहीं किया है।

v. लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय

71. वास्तविक लाभ/हानि के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन का विश्लेषण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

विवरण	इकाई	2020-21	2021-22	2022-23	पीओआई
बिक्री लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	104	121
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./एमटी	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	118	118
लाभ/(हानि)	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	644	613	19
लाभ/(हानि)	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	694	550	17
नकद लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	426	355	63
नियोजित पूंजी पर आय	%	***%	***%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	576	872	48

* घरेलू उद्योग के आंकड़ों के अनुसार

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में 2022-23 में काफी सुधार हुआ और 2023-24 में यह उच्च स्तर पर बनी रही। तथापि, जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में काफी गिरावट आई।
73. यह नोट किया जाता है कि क्षति की अवधि में बिक्री की लागत बढ़ गई है और जांच की अवधि में सबसे अधिक थी।
74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि में घरेलू उद्योग का आरओसीई काफी कम था।

vi. वृद्धि

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि लाभप्रदता के साथ-साथ आरओसीई के संदर्भ में घरेलू उद्योग की नकारात्मक वृद्धि हुई।

विवरण	इकाई	2022-23	2023-24	पीओआई
संस्थापित क्षमता	%	0%	0%	0%
उत्पादन	%	8%	-15%	-1%
घरेलू बिक्री	%	8%	-17%	0.5%
प्रति इकाई लाभ / (हानि)	%	544%	-5%	-97%
नकद लाभ	%	326%	-17%	-82%
नियोजित पूंजी पर आय	%	476%	51%	-95%

vii. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मूल जांच में उपाय लागू किए जाने के बाद घरेलू उद्योग ने लाभ अर्जित किया है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि बाजार में काफी कम कीमत वाले आयात की उपस्थिति ने किसी भी अतिरिक्त क्षमता विस्तार के लिए निवेश बढ़ाने की उसकी क्षमता को प्रभावित किया है। यह अनुरोध किया गया है कि यदि वर्तमान परिदृश्य जारी रहता है, तो इसका निवेश अत्यधिक अप्रयुक्त रहने की संभावना है और कोई नया निवेश नहीं आएगा।

viii. पाटन की मात्रा:

77. पाटन की मात्रा इस बात का एक संकेतक है कि पाटित आयात घरेलू उद्योग को किस हद तक क्षति पहुंचा सकते हैं। विश्लेषण से पता चलता है कि सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

ix. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक:

78. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध सामानों की बिक्री कीमत से कम है। घरेलू उद्योग बाजार में उत्पाद का एकमात्र घरेलू उत्पादक है। पाटित आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। इसके अतिरिक्त, आयात बिक्री लागत और घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से भी कम हैं। इसने घरेलू उद्योग को बिक्री लागत में वृद्धि के बावजूद अपनी कीमतें न बढ़ाने के लिए मजबूर किया है।

79. प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि भारत में संबद्ध सामानों की बढ़ती मांग है। संबद्ध देशों से आयात की कीमतें घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध सामानों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से कम है। इसके अलावा, संबद्ध देश से पहुंच मूल्य ने घरेलू उद्योग की कीमतों पर हासमान/न्यूनीकरण प्रभाव डाला है जिससे उन्हें वित्तीय हानियां हुई हैं। इस प्रकार, चीन जन.गण. से आयात ने घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित किया है।

अ. कारणात्मक संपर्क

अ.1.1.1. गैर-आरोपण विश्लेषण और कारणात्मक संपर्क

80. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की क्षति, मात्रात्मक और कीमत प्रभावों की मौजूदगी की जांच करने के बाद, प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या घरेलू उद्योग को पाटित आयातों को छोड़कर किसी अन्य कारक के कारण क्षति हो सकती है, जैसाकि नियमावली के तहत सूचीबद्ध हैं:

क) तीसरे देशों से आयात की मात्रा और कीमत

81. मिस्र को छोड़कर गैर-संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का आयात बहुत कम है और इससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो सकती। मिस्र से आयात के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा एक अलग पाटनरोधी जांच की जा रही है।

ख) मांग में संकुचन और खपत के पैटर्न में परिवर्तन

82. संबंधित उत्पाद की मांग में कोई संकुचन नहीं हुआ है। इसलिए, मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने का संभावित कारण नहीं है।

ग) खपत का पैटर्न

83. रिकॉर्ड में दी गई सूचना उपभोक्ता प्राथमिकताओं में परिवर्तन का संकेत नहीं देती है क्योंकि ग्राहकों ने घरेलू उद्योग से खरीद जारी रखी है और साथ ही विचाराधीन उत्पाद का आयात भी किया है।

घ) व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

84. कोई भी व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटी नहीं है, जिसने घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने में योगदान दिया होगा क्योंकि कच्चे माल के साथ-साथ संबद्ध सामान देश में आयात किए जा सकते हैं।

ड.) प्रौद्योगिकी में विकास:

85. संबद्ध उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं आया है। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी में विकास भी घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाला कारक नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान भारत में उत्पादकों द्वारा उत्पादित और निर्यातित सामानों की समान वस्तु हैं।

च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

86. यह नोट किया जाता है कि पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की उत्पादकता लगभग समान रही है।

छ) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

87. यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने केवल घरेलू उद्योग के घरेलू निष्पादन पर विचार किया है। इसलिए, निर्यात बाजार में निष्पादन ने वर्तमान क्षति विश्लेषण को किसी भी तरह से प्रभावित नहीं किया है।
88. इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारक यह नहीं दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को इन अन्य कारकों के कारण क्षति हुई होगी।

झ. क्षति मार्जिन

89. प्राधिकारी ने यथा-संशोधित अनुबंध-III के साथ पठित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत निर्धारित की है। जांच की अवधि के लिए उत्पादन लागत से संबद्ध सत्यापित सूचना/आंकड़ों को अपनाकर संबद्ध सामानों की क्षतिरहित कीमत निर्धारित की गई है। क्षति मार्जिन की गणना के लिए संबद्ध देशों से पहुंच कीमत की तुलना करने के लिए क्षतिरहित कीमत पर विचार किया गया है। क्षतिरहित कीमत, कच्चे माल का सर्वोत्तम उपयोग, यूटिलिटियों और क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन क्षमता का निर्धारण करने के लिए विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि उत्पादन की लागत पर कोई असाधारण या गैर-आवर्ती व्यय नहीं लगाया गया था। विचाराधीन उत्पाद के लिए नियोजित औसत पूंजी (यानी, औसत निवल निर्धारित परिसंपत्तियां और औसत कार्यशील पूंजी) पर उचित आय (कर-पूर्व @ 22%) को नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित किए गए अनुसार क्षतिरहित कीमत निकालने के लिए कर-पूर्व लाभ के रूप में अनुमति दी गई थी और उसका पालन किया जा रहा है।
90. सहयोगी निर्यातकों के लिए पहुंच कीमत निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर निर्धारित की गई है।

91. संबद्ध देश के सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए, प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पहुंच कीमत निर्धारित की है।
92. उपर्युक्त निर्धारित पहुंच कीमत और क्षतिरहित कीमत के आधार पर, प्राधिकारी द्वारा उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन निर्धारित किया गया है और वह निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

क्षति मार्जिन तालिका

क्र.स.	उत्पादक का नाम	क्षति रहित कीमत	पहुंच कीमत	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
		(यूएसडॉ./ए मटी)	(यूएसडॉ./ए मटी)	(यूएसडॉ./ए मटी)	(%)	(रेंज)
चीन जन.गण.						
1.	मेसर्स ओवेन्स कॉर्निंग गुआंगज़ौ फाइबरग्लास कंपनी लिमिटेड।	***	***	***	***%	5-15
2.	चीन जन.गण. से कोई अन्य उत्पादक/ निर्यातक	***	***	***	***%	15-25

ट. पाटन और क्षति जारी रहने या बार-बार होने की संभावना का आकलन

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

93. वर्तमान जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए पाटन या क्षति की संभावना से संबंधित अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:
- चीनी निर्यातकों द्वारा मौजूदा शुल्क वापस लिए जाने पर घरेलू उद्योग को और अधिक क्षति पहुंचाने की स्थिति में पाटन के और तेज होने की स्पष्ट संभावना है।
 - निर्णायक समीक्षा जांच में, इस प्रारंभिक जांच की आवश्यकता है कि क्या शुल्क हटाने से क्षति और पाटन जारी रहने/बार बार होने की संभावना होगी। यद्यपि

वर्तमान क्षति शुल्कों के जारी रहने के लिए अपेक्षित कारक नहीं हैं, तथापि शुल्क हटाए जाने की स्थिति में क्षति की प्रबल संभावना दर्शाता है।

- iii. यह अनुरोध किया जाता है कि वर्तमान मामले के तथ्यों में, संबद्ध देश से आयात का प्रतिकूल कीमत प्रभाव है, जिसमें घरेलू उद्योग के उत्पादन लागत से कम बिक्री, उत्पादन क्षमता का कम उपयोग, घटती लाभप्रदता, नियोजित पूंजी पर कम आय और घरेलू उद्योग के समग्र निष्पादन और अर्थक्षमता पर संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं, यदि वर्तमान पाटनरोधी उपायों को बंद कर दिया जाता है।
- iv. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि चीन में उत्पादकों के पास भारी अधिशेष क्षमताएं हैं। चीन में मांग या बाजार की आवश्यकता से कहीं अधिक क्षमता के उत्पादन के कारण ऐसी अधिशेष क्षमताएं पैदा हुई हैं।
- v. भारत लगातार बढ़ती मांग और संबद्ध सामानों को उपयोग करने की मजबूत क्षमता के कारण चीनी उत्पादकों के लिए एक अत्यधिक पसंदीदा निर्यात गंतव्य बना हुआ है।
- vi. चीन से पाटित और गैर-लाभकारी आयात के कारण घरेलू उद्योग को हुई मौजूदा क्षति स्पष्ट रूप से शुल्क बढ़ाने के अभाव में निरंतर क्षति की संभावना सिद्ध करती है।
- vii. चीन द्वारा किए गए निर्यात की काफी मात्रा घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से कम है।
- viii. घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक पटल पर सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना, मान्यता प्राप्त उद्योग प्रकाशनों और व्यापार आंकड़ों से प्राप्त सूचना के आधार पर चीनी क्षमता का अनुमान 9.05 लाख एमटी बताया है। घरेलू उद्योग द्वारा यह भी तर्क दिया गया है कि प्रतिभागी चीनी निर्यातकों सहित विरोधी हितधारक पक्षकारों ने इन आंकड़ों का विरोध करने के लिए कोई सबूत साक्ष्य में नहीं रखा है।

- ix. यह अनुरोध है कि चीनी निर्यातों का घरेलू उद्योग मूल्यांकन अच्छी तरह से स्थापित संकेंद्रित एचएस कोड पद्धति का उपयोग करके प्राप्त किया गया है, जिसे प्राधिकारी द्वारा उन मामलों में अपनाया गया है जहां एक विशिष्ट एचएस कोड मौजूद नहीं है। इसके अतिरिक्त, यह तर्क कि भारत में सीमित आयात इस विश्लेषण को कमजोर करता है, एचएस कोड सीमाओं और वैश्विक व्यापार पैटर्न को अनदेखा करता है।
- x. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि एकमात्र प्रतिभागी निर्यातक उत्पादन में शामिल अपने संबद्ध पक्षकारों से संबद्ध सूचना का खुलासा करने में विफल रहा है और निर्णायक समीक्षा जांच के लिए प्रश्नावली के भाग-II को अपर्याप्त रूप से हल किया है। इस तरह की चूक संभावना मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण वास्तविक सूचना को रोकने के बराबर है। यह असहयोग रिकॉर्ड पर उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर निर्भरता को सही ठहराता है।
- xi. यह कि सत्यापित क्षति मापदंडों ने स्पष्ट रूप से कीमत ह्रास, बाजार हिस्सेदारी की हानि और पाटित आयातों के कारण गिरती हुई लाभप्रदता सिद्ध की। इसके अलावा, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई लागत और अन्य आंकड़ों की सावधानीपूर्वक जांच की है जो घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों की प्रामाणिकता को दर्शाता है। अतः, लागत आंकड़ों की अविश्वसनीयता से संबंधित आरोप अमान्य हैं और साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं हैं।
- xii. यह भी अनुरोध किया गया है कि जांच की अवधि के दौरान बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग पिछले वर्षों की तुलना में सबसे कम था। यह भी माने जाने की आवश्यकता है कि संयुक्त सीआईएफ कीमतें उसी रेंज में हैं और इसलिए, घरेलू उद्योग उत्पादन लागत में वृद्धि के बावजूद अपनी बिक्री कीमत बढ़ाने में सक्षम नहीं था। यह भी उल्लेख करने की आवश्यकता है कि नियोजित पूंजी पर आय बहुत कम थी और यदि शुल्क बढ़ाए नहीं तो हैं, तो घरेलू उद्योग को हानियां होना तय है।
- xiii. ओवेन्स कॉर्निंग द्वारा "पूर्ण सहयोग" का दावा चीनी क्षमता, निर्यात और संबद्ध मापदंडों संबंधी महत्वपूर्ण आंकड़े प्रदान करने में इसकी विफलता को देखते हुए

अस्थिर है। इस विफलता के लिए प्राधिकारी द्वारा सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर निर्भरता की आवश्यकता थी। तदनुसार, ओवेन्स कॉर्निंग द्वारा उठाए गए सभी पांच दावे पूरी तरह से अस्वीकार किए जाने योग्य हैं।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

94. वर्तमान जांच के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए पाटन या क्षति की संभावना से संबंधित अनुरोध निम्नलिखित हैं और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए हैं:

- i. घरेलू उद्योग ने यह कहकर असंगत रुख अपनाया है कि निर्णायक समीक्षा में वर्तमान क्षति की आवश्यकता नहीं है, जबकि साथ ही यह आरोप लगाया है कि संबद्ध सामानों के पाटन के कारण उसे क्षति हुई है। इस संदर्भ में, हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि जहां कोई वर्तमान क्षति सिद्ध नहीं की गई है, घरेलू उद्योग को शुल्क के अभाव में पाटन और क्षति के बार बार होने की संभावना दर्शाने के लिए स्पष्ट और आश्वस्त साक्ष्य रखने की आवश्यकता है। वर्तमान मामले में, घरेलू उद्योग प्राधिकारी के समक्ष ऐसा कोई विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहा है।
- ii. यह कि चूंकि घरेलू उद्योग ने अपने आंकड़ों और पद्धति की अविश्वसनीयता के संबंध में उठाए गए आपत्तियों का खंडन नहीं किया है, इसलिए शुल्क समाप्त होने की स्थिति में पाटन और क्षति की संभावना सिद्ध करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा भरोसा किए गए साक्ष्य अप्रमाणित हैं। इसलिए यह तर्क दिया गया है कि पाटन या क्षति के बार बार होने की कोई संभावना नहीं है और पाटनरोधी शुल्क का जारी रहना अनावश्यक है।
- iii. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई संभावना सूचना गलत और अविश्वसनीय है। जबकि घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि चीन में क्षमता 9.05 लाख एमटी है, तथा निर्यात 21 लाख एमटी होने का दावा किया गया है। इसके अलावा, यह भी दावा किया गया है कि भारत चीनी उत्पादकों के लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, तथापि भारत में आयात केवल 1,524 एमटी है।

- iv. चीन से ग्लास वूल का कुल निर्यात 1 लाख एमटी से कम है।
- v. एचएस कोड और तीसरे देशों के लिए पाटन और क्षति मार्जिन की गणना का खुलासा नहीं किया गया है। चूंकि संबद्ध सामानों का कोई समर्पित कोड नहीं है और इसमें एक पीसीएन शामिल है, इसलिए तीसरे देशों में पाटन और क्षति के निर्धारण के लिए चीन सीमा शुल्क आंकड़ों का उपयोग नहीं किया जा सकता है। घरेलू उद्योग संभावना के लिए कोई भी वास्तविक सकारात्मक साक्ष्य प्रदान करने में विफल रहा है।
- vi. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई संभावना सूचना त्रुटिपूर्ण है क्योंकि इसने रॉक वूल और ग्लास वूल दोनों को चीन से निर्यात के हिस्से के रूप में माना है क्योंकि दोनों उत्पाद एक ही एचएस कोड के अंतर्गत आते हैं। चूंकि रॉक वूल की कीमत ग्लास वूल की कीमत से 50% कम है, इसलिए चेन कस्टम्स डेटा द्वारा बताई गई औसत कीमत ग्लास वूल की कीमत से कम है। चूंकि रॉक वूल का निर्यात ग्लास वूल की तुलना में बहुत अधिक है और कीमतें बहुत कम हैं, इसलिए प्रदान की गई संभावना सूचना कम कीमतों पर विचाराधीन उत्पाद के उच्च निर्यात को दर्शाती है। यह पाटन और क्षति मार्जिन गणना को अविश्वसनीय बनाता है।
- vii. एक ओर, घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि वर्तमान क्षति की आवश्यकता नहीं है जबकि यह दावा किया गया है कि पाटन के कारण इसे नुकसान हुआ है। यदि कोई क्षति नहीं है, तो शुल्कों को जारी रखने के लिए संभावना का अकाट्य प्रमाण प्रदान किया जाना चाहिए। हालांकि, वर्तमान मामले में ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया है।
- viii. देशव्यापी सूचना प्रदान नहीं किए जाने के संबंध में उठाई गई चिंताओं से घरेलू उद्योग द्वारा पाटन और क्षति की संभावना के लिए साक्ष्य प्रदान करने का दायित्व स्थानांतरित बदलने का प्रयास किया जा रहा है। घरेलू उद्योग सूचना की सत्यता दिखाने में सक्षम नहीं रहा है।

- ix. नियम 23 (1ख) के प्रावधानों के तहत, घरेलू उद्योग का यह दायित्व है कि वह शुल्क जारी रखने की आवश्यकता को दर्शाते हुए विधिवत प्रमाणित सूचना प्रदान करें। घरेलू उद्योग इस दायित्व को घरेलू उद्योग में बदलने का प्रयास कर रहा है।
- x. घरेलू उद्योग पाटन की संभावना का दावा करने के लिए कुल इन्सुलेशन बाजार के लिए सूचना पर निर्भर रहा है न कि ग्लास वूल पर। लिखित अनुरोधों में जिस रिपोर्ट पर भरोसा किया गया है वह ग्लास वूल के लिए विशिष्ट नहीं है। चीन में दावा की गई क्षमताओं के विपरीत, ओवेन्स कॉर्निंग के संयंत्र जो गैर-संबद्ध सामानों के उत्पादन में लगे हुए हैं, को गलत तरीके से शामिल किया गया है।
- xi. रिपोर्ट में कई ऐसे उत्पादकों को सूचीबद्ध किया गया है जो ग्लास वूल का उत्पादन भी नहीं करते हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

95. प्राधिकारी के ध्यान में लाई गई सभी कारकों की जांच यह निर्धारित करने के लिए की गई है कि क्या शुल्क समाप्त होने की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने या बार-बार होने की संभावना है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न अनुरोधों और साक्ष्यों की जांच की है ताकि पाटन और क्षति के जारी रहने या बार-बार होने की संभावना का मूल्यांकन किया जा सके।
96. यह नोट किया जाता है कि वर्तमान जांच चीन से संबद्ध सामानों के आयात पर पहले लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है। नियमावली के तहत, प्राधिकारी को यह निर्धारित करने की आवश्यकता है कि क्या पाटनरोधी शुल्क का निरंतर लगाया आवश्यक है। इसके लिए इस बात पर भी विचार करने की आवश्यकता है कि क्या लगाया गया शुल्क क्षतिकारक पाटन को समाप्त करने के इच्छित उद्देश्य को पूरा कर रहा है। नियमावली के अनुबंध-11 की धारा (vii) में अन्य बातों के अलावा, उन कारकों का प्रावधान है जिन पर विचार किया जा सकता है, अर्थात्

- क. भारत में पाटित आयातों की वृद्धि की एक महत्वपूर्ण दर आयात में काफी वृद्धि की संभावना का संकेत देती है;
- ख. निर्यातकों की क्षमता में काफी स्वतंत्र रूप से निपटान योग्य, या आसन्न, पर्याप्त वृद्धि जो भारतीय बाजारों में निर्यात में पर्याप्त वृद्धि की संभावना को दर्शाती है, किसी भी अतिरिक्त निर्यात को खपाने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए;
- ग. क्या आयात उन कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं जिनका घरेलू कीमतों पर काफी न्यूनीकरण या हासमान प्रभाव पड़ेगा, और संभवतः आगे के आयात की मांग में वृद्धि होगी; और
- घ. जांच की जा रही वस्तु की मालसूची।
97. इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने पाटन के जारी रहने या बार-बार होने की संभावना और घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की संभावना पर असर डालने वाले अन्य संगत कारकों की भी जांच की है। संभावना के मापदंडों की जांच इस प्रकार है:
- क. **पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के बावजूद निरंतर पाटन**
- i. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन सकारात्मक और काफी है। अतः, पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद भी भारतीय बाजार में पाटन जारी है।
- ख. **लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद आयात में वृद्धि**
- i. आवेदक ने दावा किया है कि संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयात में पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद भी वृद्धि हुई है।

विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
चीन से आयात	एमटी	716	1879	1962	1532

कुल मांग/खपत	एमटी	***	***	***	***
--------------	------	-----	-----	-----	-----

- ii. मांग के सापेक्ष संबद्ध देश से आयात के आधार वर्ष में 10% से बढ़कर जांच की अवधि में 21% हो गया है।

ग. निर्यातकों के पास अधिशेष क्षमता

- i. घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक स्रोतों से चीन में संबद्ध सामानों के उत्पादकों के पास मौजूदा अधिशेष क्षमताओं की सूचना प्रदान की है। इसके अलावा, जांच के दौरान, घरेलू उद्योग ने अपने बाजार स्रोतों के आधार पर सूचना प्रदान की है। प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा दायर किए गए आंकड़ों और इस मुद्दे पर अन्य अनुरोधों के साथ घरेलू उद्योग के अनुरोधों की जांच की है। घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित उत्पादन क्षमताओं का दावा किया।

क्र.सं.	कंपनी का नाम	संयंत्र का स्थान	ग्लासवूल क्षमता एमटी
1.	डालियानहुआली	डालियन हुआली	10,000
2.	डिंगटैलैक्सिंग	दाचांग	30,000
3.	फैनझोउ	हेनान	12,000
4.	फुदा	फुदा	20,000
5.	गेरुई	दाचांग	80,000
6.	गुओमेई	दाचांग	50,000
7.	हानजियांग	हानजियांग	34,000
8.	हुआली	हुआली	12,000
9.	हुआमेई	दाचांग	80,000
10.	जिहीहे	बीजिंग	20,000
11.	जिनहैन	जिनहैन	1,62,000
12.	कांगबाओ	कांगबाओ	20,000
13.	ओवेन्स कॉर्निंग	अनहुई	30,000
		अनशन	15,000
		गुआंगडोंग	30,000
		नानजिंग	21,000
		शानक्सी	15,000
		शंघाई	30,000
		तियानजिन	30,000
14.	पुलंडियन	पुलंडियन	20,000
15.	शंघाई	शंघाई ग्लास शंघाई	12,000
16.	शेनझोउ	दाचांग	50,000
17.	शुआंगहुआन	शुआंगहुआन	12,000
18.	वाहली	शंघाई	20,000
19.	जुआन	सिचुआन	15,000
20.	यीहेचेंग	यीहेचेंग	70,000
21.	कुल योग		9,00,000

98. उपर्युक्त के अलावा, घरेलू उद्योग ने फ्रीडोनिया समूह की वैश्विक इन्सुलेशन रिपोर्ट के आधार पर अधिशेष क्षमता का प्रमाण भी प्रस्तुत किया है। उस रिपोर्ट के अनुसार, चीन में संबद्ध सामानों का उत्पादन भारतीय उत्पादन और मांग से बहुत अधिक है। यहां

तक कि चीन के पास उपलब्ध अधिशेष क्षमता भी चीन में कुल क्षमता का 34% और भारतीय मांग का लगभग 41 गुना और भारतीय उत्पादन का 55 गुना है।

विवरण	यूओएम		मात्रा
चीन में कुल इन्सुलेशन सामग्री की मांग	एमटी	ए	7046000
चीन में संबद्ध सामानों की मांग	एमटी	बी	561000
कुल इन्सुलेशन मांग के % के रूप में संबद्ध सामान	%	सी=बी/ए	7.96%
इन्सुलेशन उत्पादन	यूएसडॉ.	डी	12167000000
कीमत यूएसडॉ./किग्रा.	यूएसडॉ./किग्रा.	ई	1.65
इन्सुलेशन सामग्री का उत्पादन	किग्रा.	एफ=डी/ई	7,37,39,39,394
इन्सुलेशन सामग्री का उत्पादन	एमटी	जी=एफ/1000	7373939
संबद्ध सामानों का उत्पादन	एमटी	एच=जी*सी	587110
संबद्ध सामानों की क्षमता	एमटी	आई	900000
बेकार क्षमता	एमटी	जे=आई-एच	312890
बेकार क्षमता	%	क=जे/आई	34.77%

99. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना की जांच की है और नोट किया है कि एक सामान्य वेब खोज से पता चलता है कि चीनी उत्पादकों के पास विशाल क्षमताएं हैं जो भारतीय उत्पादन और मांग से कई गुना अधिक हैं। ऐसा ही एक निर्माता, यानी, इकिंग ग्रुप 200000 एमटी के बराबर उत्पादन ग्लास वूल क्षमता होने का दावा करता है। (स्रोत:https://www.iking-glasswool.com/news/en/glass-woolplant.html?utm_source=perplexity)। एक अन्य निर्माता, हुआमेई का दावा है कि उसके पास 400000 एमटी के बराबर ग्लास वूल क्षमता है। (स्रोत: https://www.huameiworld.com/factory-tour/?utm_source=perplexity). अन्य स्रोतों से पता चलता है कि चीन में नीचे उल्लिखित शीर्ष पांच ग्लास वूल उत्पादकों की क्षमता 25 लाख एमटी से अधिक है।

उत्पादक	लाइन्स/सेटअप	वार्षिक क्षमता (टन)	सामना किया गया उत्पाद नोट
इकिंग ग्रुप	13 लाइन्स	>200,000 इकिंगग्लासवूल	हाँ (फ़ॉइल, क्राफ्ट, आदि) स्क्रिब्ड
यूनाइटेड परफेक्ट	5-700 टन/दिन लाइन्स	1,500,000 तक संयुक्त परफेक्ट.मेड-इन-चाइना+1	हाँ (विनाइल, एफएसके) यूनाइटेड परफेक्ट .मेड-इन-चाइना
हुआमेई	मल्टीपल फैसिलिटी	>400,000 हुआमेईवर्ल्ड	इंसुलेशन स्टैंडर्ड हुआमेईवर्ल्ड
हेबेई शेंगवेई	एन/ए	60,000 (5,000 टन/माह) शेंगवेईनइंसुलेशन.मेड-इन-चाइना	हाँ (ब्लैक मेट) शेंगवेईनइंसुलेशन.मेड-इन-चाइना
हेबेई लियांगपेंग	एडवांस्ड लाइन	500,000 बलियांगपेंगरॉकवूल मेड-इन.चाइना	हाँ (एफएसके का सामना किया) हब्लियांगपेंगरोकवूल.मेड-इन-चाइना

स्रोत [https://www.perplexity.ai/search/what-is-faced-glasswool-product](https://www.perplexity.ai/search/what-is-faced-glasswool-product?utm_source=perplexity&utm_medium=organic&utm_campaign=perplexity)
(QLa8rmrJSRuAKmLyFTO2DA).

घ. भारतीय बाजार की आकर्षकता

100. संबद्ध सामानों के लिए भारतीय बाजार में उत्पाद की अच्छी मांग बनी हुई है जो सामान्य आर्थिक विकास के अनुरूप है। यह नोट किया जाता है कि लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद, चीन से संबद्ध सामानों का आयात भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर जारी है। संबद्ध सामानों की भारतीय मांग बढ़ गई है और मांग में संभावित वृद्धि है। ये कारक भारत को विदेशी उत्पादकों के लिए एक उपयुक्त और आकर्षक बाजार बनाते हैं।
101. प्राधिकारी ने भारत में चीन की तुलना में चीन से तीसरे देश को प्रतिभागी निर्यातक की निर्यात कीमतों की जांच की है और नोट किया कि चीन से भारत के लिए प्रति इकाई कीमतें चीन से तीसरे देश की कीमतों से बहुत कम हैं जो बताती हैं कि संबद्ध देश से भारत को निर्यात पाटित कीमतों पर हैं।

विवरण	मात्रा (एमटी)	औसत कीमत यूएसडॉ./किग्रा.
भारत	***	***
रेंज		0-5

तीसरे देश	***	***
रेंज		5-10

स्रोत: निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर

ड. चीन से संभावित निर्यात और उनकी कीमतें

102. घरेलू उद्योग ने व्यापार मानचित्र आंकड़ों के आधार पर सूचना प्रस्तुत की है, जिसके अनुसार वर्ष 2024 में चीन से अन्य देशों को संबद्ध सामानों की कुल निर्यात मात्रा 20,95,504 एमटी है। इसे सत्यापित किया गया है और यह नोट किया गया है कि चीन से विश्व को ऐसे निर्यात की इकाई कीमत 1446 अमेरिकी डॉलर/एमटी है जो घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से काफी कम है।
103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़े चार अंकों एचएस 7019 पर निर्भर है जो मुख्य रूप से ग्लास फाइबर, जिसमें ग्लास ऊन वूल और उसकी वस्तुएं शामिल हैं (खनिज वूल और उसकी वस्तुओं को छोड़कर...) से संबंधित है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि, किसी भी विस्तृत एचएस-स्तर के आंकड़ों के अभाव में, घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना प्रदान की है, जो एक अच्छी तरह से स्वीकृत परिपाटी है। इसके अलावा, यह दावा कि इस तरह के आंकड़ों में रॉक वूल शामिल है, प्रमाणित और साक्ष्य से समर्थित नहीं है, जो प्राधिकारी को किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने में मदद कर सकता है। इसलिए, किसी भी पुष्टिकरण सामग्री के बिना, केवल दावे, संभावना आंकड़ों और विश्लेषण को अविश्वसनीय नहीं बना सकते हैं।
104. उपर्युक्त जांच के आधार पर, प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि संबद्ध देश देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों का पाटन जारी रहने या बार-बार होने की प्रबल संभावना है और पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति के मामले में घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होती है।

ठ. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

105. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दों के संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- i. पाटित आयातों के कारण भारी क्षति हो रही है। समान प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाए रखने, घरेलू उत्पादन की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने तथा आयात पर निर्भरता पर रोक लगाने के लिए पाटनरोधी शुल्क का विस्तार और उसे सुदृढ़ करना आवश्यक है।
- ii. प्रारंभिक शुल्कों ने घरेलू उद्योग को घाटों से उबरने, लाभ अर्जित करने और समान प्रतिस्पर्धा का वातावरण स्थापित करने में सहायता की। इन शुल्कों को हटाने से निवेश और विस्तार प्रभावित होंगे, जिससे भारतीय उद्योग की वृद्धि बाधित होगी।
- iii. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने आर्थिक हित प्रश्नावली प्रारूप में यह दर्शाते हुए कोई जानकारी प्रस्तुत नहीं की है कि शुल्क लगाए जाने की स्थिति में डाउनस्ट्रीम उद्योग पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यह भी देखा गया है कि किसी भी प्रयोक्ता उद्योग ने इस जांच में भाग नहीं लिया है।
- iv. उपभोक्ताओं के हित में यह है कि बाजार में उचित कीमत पर उत्पाद उपलब्ध हों, जिन्हें ऐसा घरेलू उद्योग उपलब्ध कराए जो आयात के साथ प्रतिस्पर्धा कर सके।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

106. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दों के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

107. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्यतः व्यापार उपचारात्मक उपायों का उद्देश्य अनुचित व्यापार प्रथाओं के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना तथा भारतीय बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को पुनः स्थापित करना है, जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों को लागू करने/जारी रखने का उद्देश्य किसी भी प्रकार से संबंधित देश से आयात को प्रतिबंधित करना नहीं है। प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि शुल्कों को लागू करना/जारी रखना भारत में उत्पाद के कीमत स्तर को प्रभावित कर सकता है। तथापि, उपायों को लागू करने/जारी रखने से भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, इन उपायों को लागू करना/जारी रखना यह सुनिश्चित करेगा कि कोई अनुचित लाभ अर्जित न करे, घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट पर

रोक लगे तथा उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु के व्यापक विकल्पों की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिले।

108. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार आमंत्रित करते हुए जांच आरंभ करने की अधिसूचना जारी की थी। प्राधिकारी ने प्रयोक्ताओं/उपभोक्ताओं के लिए एक प्रश्नावली भी निर्धारित की थी ताकि वे वर्तमान जांच से संबंधित संगत जानकारी प्रदान कर सकें, जिसमें पाटनरोधी शुल्क के उनके प्रचालन पर संभावित प्रभाव भी शामिल हों। अन्य बातों के साथ-साथ विभिन्न देशों के विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद के एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग, उपभोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव आदि के संबंध में जानकारी मांगी गई थी।
109. प्राधिकारी ने एक आर्थिक हित प्रश्नावली भी विहित की थी जिसे इस समीक्षा जांच में सभी हितबद्ध पक्षकारों को भेजा गया था। तथापि, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इसके विपरीत कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया।
110. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का उपचार करना है, ताकि भारतीय बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके। प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों को जारी रखना भारत में उत्पाद के कीमत स्तरों को प्रभावित नहीं करेगा। तथापि, यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि इन उपायों के जारी रहने से भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की मूल भावना अप्रभावित रहेगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों को जारी रखने से पाटन प्रथाओं के कारण होने वाली घरेलू उद्योग की गिरावट पर रोक लगेगी तथा उपभोक्ताओं के लिए विकल्पों की व्यापक उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

ड. प्रकटन-पश्चात अनुरोध

111. प्रकटन के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध प्राप्त हुए हैं, और यह नोट किया गया है कि उठाए गए अधिकांश मुद्दे पुनरावृत्ति स्वरूप के हैं और पहले भी उठाए जा चुके हैं तथा उनका उपयुक्त रूप से समाधान किया जा चुका है। अतिरिक्त अनुरोधों का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

112. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा में निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के आधार पर पाटनरोधी शुल्कों को आगे पाँच वर्षों की अवधि के लिए जारी रखने की सिफारिश की जाए, जो प्राधिकारी की उस संगत प्रथा के अनुरूप है जिसमें अद्यतन और सत्यापित आंकड़ों के आधार पर मार्जिनों की पुनर्गणना की जाती है। इसके अलावा, यह भी अनुरोध किया गया है कि चूंकि वर्तमान समीक्षा में क्षति मार्जिन में वृद्धि हुई है और पाटन मार्जिन अभी भी क्षति मार्जिन से काफी अधिक बना हुआ है, इसलिए घरेलू उद्योग को यह वैध अपेक्षा है कि शुल्कों को कम से कम बढ़े हुए क्षति मार्जिन की सीमा तक जारी रखा जाए, जो प्राधिकारी की स्थापित प्रथा के अनुरूप है।
- ii. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि अंतिम जाँच परिणाम में घरेलू उद्योग के संबंध में पाटन और क्षति के जारी रहने की सकारात्मक संभावना के संबंध में निष्कर्ष की पुष्टि की जाए। यह भी अनुरोध किया गया है कि यदि प्राधिकारी किसी भिन्न दृष्टिकोण पर विचार करने के इच्छुक हों, तो इस संबंध में अनुरोध करने के लिए घरेलू उद्योग को उपयुक्त अवसर प्रदान किया जाए।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

113. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- i. यह अनुरोध किया गया है कि प्राधिकारी को “विचाराधीन उत्पाद” शीर्षक वाले अनुभाग के अंतर्गत तथा शुल्क तालिका के ठीक नीचे प्रकटन विवरण में दर्ज विचाराधीन उत्पाद के दायरे को शामिल करना चाहिए, जो कि मूल जांच में प्राधिकारी के दृष्टिकोण के अनुरूप होगा, ताकि सीमा शुल्क निकासी के चरण पर स्पष्टता, पारदर्शिता सुनिश्चित हो तथा किसी भी प्रकार की अस्पष्टता से बचा जा सके।
- ii. यह अनुरोध किया गया है कि प्रकटन विवरण में यह स्पष्ट रूप से संकेत नहीं किया गया है कि क्या प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति हो रही है अथवा पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना मौजूद है। आगे यह भी तर्क दिया गया है कि ऐसी स्पष्टता के अभाव में हितबद्ध पक्षकार अपने हितों की प्रभावी रूप से रक्षा करने में असमर्थ हैं, और इसलिए उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि अंतिम जाँच परिणाम में इसे स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट किया जाए।
- iii. यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन संबंधी आंकड़े क्षति के जारी रहने को प्रदर्शित नहीं करते हैं। यह भी अनुरोध किया गया है कि आयात कीमतों,

लाभप्रदता और घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निरंतर क्षति के दावे के बीच कोई सहसंबंध नहीं है।

- iv. यह अनुरोध किया गया है कि चूंकि प्राधिकारी ने पाटन और क्षति की जांच डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2 और 3 के संदर्भ में की है, इसलिए कारणात्मक संबंध का संगत निर्धारण आवश्यक रूप से किया जाना चाहिए। अतः घरेलू उद्योग का यह दावा कि निर्णायक समीक्षा में कारणात्मक संबंध का विश्लेषण आवश्यक नहीं है, उचित नहीं है।
- v. भागीदार निर्यातक समूह ने प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया है कि यह स्पष्ट किया जाए कि क्या आयात के पहुंच मूल्य का निर्धारण करते समय संबद्ध आयातकों के घाटों को समायोजित किया गया था।
- vi. यह अनुरोध किया गया है कि चीन से अधिशेष क्षमता और निर्यात के संबंध में किया गया विश्लेषण अप्रमाणित है और अनुचित विश्लेषण पर आधारित है। यह भी अनुरोध किया गया है कि जिन एचएस कोडों पर भरोसा किया गया है वे मुख्य रूप से ऐसे उत्पादों को भी कवर करते हैं जो वर्तमान विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर हैं, जिससे क्षमता और निर्यात संबंधी विश्लेषण अविश्वसनीय हो जाता है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

114. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अधिकांश अनुरोध पुनरावृत्ति की प्रकृति के हैं और उनका पहले ही प्रकटन विवरण में समाधान किया जा चुका है। उपर्युक्त जाँच परिणाम स्वतः ही इन तर्कों का समाधान करते हैं। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की यहाँ नीचे उस सीमा तक जांच की है जहाँ तक वे संगत हैं और अन्यत्र समाधान नहीं किए गए हैं।
115. इस दावे के संबंध में कि प्रकटन विवरण में यह स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट नहीं किया गया है कि क्या प्राधिकारी ने क्षति के जारी रहने या पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना का निष्कर्ष निकाला है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच धारा 9क(5) तथा लागू नियमों के अंतर्गत संचालित एक निर्णायक समीक्षा है, जिसमें स्वाभाविक रूप से यह जांच आवश्यक होती है कि क्या शुल्क समाप्त होने की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति की संभावना है। आगे यह भी नोट किया गया है कि जब प्रकटन विवरण को समग्र रूप से पढ़ा जाता है, तो उसमें जांच अवधि के दौरान क्षति के मापदंडों का विस्तृत विश्लेषण तथा संभावना का आकलन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें आयात मात्रा, कीमत प्रभाव, घरेलू उद्योग

के निष्पादन संकेतक, अधिशेष क्षमता, निर्यात उन्मुखता तथा भारतीय बाजार के आकर्षक होने की जांच शामिल है। अतः प्राधिकारी पाते हैं कि उक्त तर्क में कोई तथ्य नहीं है, क्योंकि यह निर्धारण निर्णायक समीक्षा को नियंत्रित करने वाले वैधानिक ढांचे के अनुरूप निरंतरता और संभावना कारकों के व्यापक एवं समग्र मूल्यांकन पर आधारित है।

116. इस दावे के संबंध में कि निष्पादन संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण क्षति के जारी रहने को प्रदर्शित नहीं करता है तथा आयात कीमतों, लाभप्रदता और अन्य क्षति मापदंडों के बीच कोई सहसंबंध नहीं है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षति का निर्धारण किसी एकल प्रवृत्ति के बजाय सभी संगत आर्थिक मापदंडों के समग्र मूल्यांकन पर आधारित होता है, जिसमें मात्रात्मक प्रभाव, कीमत प्रभाव तथा घरेलू उद्योग के समग्र निष्पादन का आकलन शामिल होता है।
117. इस दावे के संबंध में कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा में पृथक रूप से कारणात्मक संबंध का निर्धारण अनिवार्य है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि धारा 9क(5) के अंतर्गत निर्णायक समीक्षा में पाटन और क्षति के जारी रहने या संभावना का समेकित मूल्यांकन शामिल होता है, जिसमें स्वाभाविक रूप से संबद्ध आयातों और क्षति के बीच संबंध की जांच भी सम्मिलित होती है। प्राधिकारी ने वैधानिक ढांचे के अनुरूप ऐसी जांच की है, और इसलिए यह तर्क कि कारणात्मक संबंध का जांच नहीं की गई है या निर्णायक समीक्षा में इसकी आवश्यकता नहीं है, निराधार पाया गया है।
118. पंधुच मूल्य में घाटों के समायोजन के संबंध में स्पष्टीकरण के अनुरोध के संदर्भ में, प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करते हैं कि स्थापित पद्धति के अनुसार आयात के पंधुच मूल्य का निर्धारण संगत समायोजनों पर उचित विचार करने के पश्चात किया गया है, जिसमें संबद्ध आयातकों के घाटों की भरपाई को भी उस सीमा तक शामिल किया गया है जहाँ यह उचित और रिकार्ड में विधिवत रूप से सत्यापित पाया गया। यह निर्धारण सत्यापित जानकारी के आधार पर तथा लागू नियमों के अनुरूप किया गया है।
119. चीन से अधिशेष क्षमता और निर्यात के विश्लेषण के अप्रमाणित होने तथा अनुचित एचएस कोडों पर आधारित होने के दावे के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह आकलन रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम जानकारी के आधार पर किया गया है, जिसमें प्रकाशित आंकड़े तथा विश्वसनीय द्वितीयक स्रोत शामिल हैं, और यह विचाराधीन उत्पाद के दायरे को ध्यान में रखते हुए किया गया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकार ने यह प्रदर्शित करने हेतु कोई ठोस प्रति-प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है कि जिन आंकड़ों पर भरोसा किया गया है वे गलत हैं या उनसे निकाले गए निष्कर्ष

त्रुटिपूर्ण हैं। इस मुद्दे की अंतिम जाँच परिणाम के संगत भाग में विस्तृत रूप से जांच की गई है और प्राधिकारी पाते हैं कि प्रस्तुत तर्क में कोई सच्चाई नहीं है।

120. प्राधिकारी घरेलू उद्योग के अनुरोधों को नोट करते हैं। तथापि, वर्तमान मामले के तथ्यों और परिस्थितियों की जांच के पश्चात प्राधिकारी यह मानते हैं कि मूल जांच के परिणामस्वरूप लगाए गए वर्तमान पाटनरोधी शुल्कों का जारी रहना पाटन और क्षति के जारी रहने या पुनरावृत्ति की संभावना का समाधान करने के लिए पर्याप्त होगा। तदनुसार, प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि मौजूदा स्तर पर शुल्कों को आगे पाँच वर्षों की अवधि के लिए जारी रखा जाए, क्योंकि यह मामले के तथ्यों के अनुसार पर्याप्त और उपयुक्त समझा गया है।
121. प्राधिकारी शुल्कों की समाप्ति की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने की सकारात्मक संभावना के संबंध में अपने निष्कर्ष की पुष्टि करते हैं।

द. निष्कर्ष

122. जाँच की कार्यवाही के दौरान उठाए गए मुद्दों, सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत तर्कों तथा रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुंचते हैं:
- i. विचाराधीन उत्पाद का दायरा 'रोल्स में फेस्ड ग्लास वुल्स' निर्धारित किया गया है, जिसे फाइबरग्लास वुल (इंसुलेशन सामग्री) या रेजिन बांडेड ग्लास वुल भी कहा जाता है, तथा इसमें "फेस्ड ग्लारसवुल इन फ्लैट/ट्यूबुलर फार्म" जैसे टाइल्स, शीट्स या बोर्ड तथा ग्लास वुल एकोस्टिकल सिलिंग टाइल्स को शामिल नहीं किया गया है।
 - ii. वर्तमान निर्णायक समीक्षा के लिए आवेदन यू. पी. ट्विगा फाइबरग्लास लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। आवेदक एडीडी नियमावली, 1995 के नियम 5(3) तथा 2(ख) के अर्थ में स्थिति संबंधी अपेक्षा को पूरा करता है और 'घरेलू उद्योग' का गठन करता है।
 - iii. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तुएँ चीन से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु हैं।
 - iv. संबद्ध देश से एक उत्पादक ओवंस कमिंग गुआंगझू फाइबरग्लास कं. लि. ने इस जांच में स्वयं को पंजीकृत किया और निर्धारित निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया। इस निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए कोई पूरक प्रश्नावली प्रस्तुत नहीं की। इस निर्यातक को पूर्व जांचों में भी न तो बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया गया था और न ही उसने इसकी मांग की थी।

- v. प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन का निर्धारण निर्यातक द्वारा अपनी प्रश्नावली प्रतिक्रिया में रिपोर्ट की गई निवल निर्यात कीमत और आयात के पंहुच मूल्य के आधार पर किया है तथा सामान्य मूल्य का परिकलन एडी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर किया है।
- vi. निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत को ध्यान में रखते हुए, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन सकारात्मक है तथा निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है। इससे यह पता चलता है कि संबद्ध आयात पाटित कीमतों पर भारत में प्रवेश करना जारी रखे हुए हैं।
- vii. वर्तमान जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। इसके अतिरिक्त, रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि शुल्कों की समाप्ति की स्थिति में चीन से पाटन और क्षति के जारी रहने या पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
- viii. क्षति अवधि के दौरान मांग में कमी आई है, तथापि यह पूर्व जांच के दौरान की मांग के लगभग समान बनी हुई है।
- ix. आयात का पंहुच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम है। अतः संबद्ध आयात घरेलू कीमतों में कटौती कर रहे हैं।
- x. पाटित आयातों के जारी रहने का घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- xi. गैर-आरोपण विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि किसी अन्य कारक ने घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचाई है। मिस्र से आयातों की समानांतर जांच के अंतर्गत जांच की जा रही है।
- xii. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत तथा आयात के पंहुच मूल्य को ध्यान में रखते हुए यह देखा गया है कि क्षति मार्जिन काफी अधिक है।
- xiii. इस बात के पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हैं कि शुल्कों की समाप्ति की स्थिति में पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने की संभावना मौजूद है।
- xiv. चीन जनवादी गणराज्य के उत्पादकों के पास काफी अधिक उत्पादन क्षमताएं उपलब्ध हैं। यद्यपि वर्तमान जांच में एक उत्पादक ने भाग लिया है, तथापि संबद्ध देश में अनेक अन्य उत्पादक भी मौजूद हैं। संबद्ध देश के उत्पादकों के पास उपलब्ध क्षमताएं

उनकी घरेलू मांग की तुलना में काफी अधिक हैं। उत्पादकों के पास अधिशेष और स्वतंत्र रूप से उपयोग योग्य क्षमताएं उपलब्ध हैं, जिन्हें शुल्कों की समाप्ति की स्थिति में भारत की ओर भेजे जाने की संभावना है।

- xv. संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति में कटौती करते हैं तथा घरेलू कीमतों पर ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव डालते हैं। सकारात्मक कीमत कटौती की निरंतर मौजूदगी यह दर्शाती है कि शुल्कों की समाप्ति की स्थिति में क्षति के और अधिक बढ़ने की संभावना है।

ग. सिफारिश

123. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जॉच लागू कानून के अनुरूप संचालित की गई थी। सभी हितबद्ध पक्षकारों को विधिवत रूप से अधिसूचित किया गया था तथा उन्हें पाटन, क्षति, कारणात्मक संबंध, पाटन और क्षति के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति की संभावना तथा भारतीय उद्योग पर उपायों के प्रभाव सहित जांच के अधीन विषयों पर जानकारी प्रदान करने और अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्णायक समीक्षा के परिणामस्वरूप प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि वर्तमान मामले में मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को जारी रखना आवश्यक है।
124. प्राधिकारी, वर्तमान जांच में सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच करने के पश्चात, यह उपयुक्त और आवश्यक समझते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर नीचे दी गई शुल्क तालिका के कालम 7 में दर्शाई गई राशि के बराबर निश्चयात्मक शुल्कों को पाँच वर्षों की अवधि के लिए जारी रखने की सिफारिश की जाए। अतः, मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, जैसा कि ऊपर निर्धारित किया गया है, संबद्ध देश में के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर नीचे दी गई शुल्क तालिका के कालम 7 में दर्शाई गई राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क को आगे जारी रखने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	टैरिफ शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तु का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	शुल्क की राशि	मुद्रा	यूनिट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)

1	7019 9010 7019 9090 7019 1900 7019 3900 7019 5900	रोल्स में फेस्ड ग्लास वुल्स *	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई देश	ओवंस कर्मिंग गुआंगझू फाइबरग्लास कं.लि.	14.60	अम.डा.	एमटी
2	- वही -	- वही -	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई देश	उक्त क्र. सं. 1 से इतर कोई अन्य	400.23	अम.डा.	एमटी
3	- वही -	- वही -	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	चीन जन. गण.	कोई	400.23	अम.डा.	एमटी

* 'रोल्स में फेस्ड ग्लास वुल्स' निर्धारित किया गया है, जिसे फाइबरग्लास वुल (इंसुलेशन सामग्री) या रेजिन बांडेड ग्लास वुल भी कहा जाता है, तथा इसमें "फेस्ड ग्लासवुल इन फ्लैट/ट्यूबुलर फार्म" जैसे टाइल्स, शीट्स या बोर्ड तथा ग्लास वुल एकोस्टिकल सिलिंग टाइल्स को शामिल नहीं किया गया है।

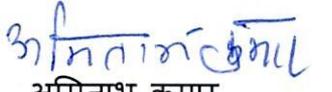
125. उपर्युक्त शुल्क तालिका में उल्लिखित कंपनियों के लिए निर्दिष्ट अलग-अलग शुल्क दरों को लागू करना इस शर्त पर निर्भर करेगा कि सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष एक वैध वाणिज्यिक बीजक प्रस्तुत किया जाए, जिस पर उस कंपनी के किसी अधिकारी द्वारा तारीख सहित और हस्ताक्षरित एक घोषणा अंकित होनी चाहिए जिसने उक्त बीजक जारी किया है, और जिसमें उस अधिकारी का नाम तथा पद का उल्लेख हो। उक्त घोषणा निम्नानुसार तैयार की जाएगी:

"मैं, अधोहस्ताक्षरी, यह प्रमाणित करता/करती हूँ कि इस बीजक के अंतर्गत भारत को निर्यात के लिए बेचे गए (पीयूसी का नाम) की (मात्रा) का विनिर्माण (कंपनी का नाम और पता) द्वारा [संबंधित देश] में किया गया है। मैं यह घोषणा करता/करती हूँ कि इस बीजक में प्रदान की गई जानकारी पूर्ण और सही है।"

यदि ऐसा कोई बीजक प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो अन्य सभी के लिए लागू शुल्क दर लागू होगी। यह अपेक्षा लागू सीमा शुल्क कानून और विनियमों के अंतर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा स्वतंत्र रूप से की जाने वाली सत्यापन प्रक्रियाओं को प्रभावित किए बिना होगी।

त. आगे की प्रक्रिया

126. इन जॉच परिणाम पर आधारित केंद्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमाशुल्क शुल्क अधिनियम, 1975 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जायेगी।


अमिताभ कुमार
(निर्दिष्ट प्राधिकारी)